समर एक्सप्रेस

www.summerexpress.in

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

सूर्योदय सुबह 7:09 बजे
सूर्यास्त शाम 5:22 बजे

• साल-1 • अंक-94 • पृष्ठ-8 • मूल्य-1 रूपये • मंगलवार 9 दिसंबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस ने नवजोत कौर को पार्टी से निकाला

लुधियाना| पंजाब कांग्रेस में भारी विवाद के बीच पार्टी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को पार्टी से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपये देने वाले उनके बयान ने पहले ही राजनीतिक हलचल मचा दी थी। इसके बाद नवजोत कौर ने एक टीवी चैनल पर आरोप लगाया कि राजा वड़िंग ने नगर निगम काउंसलर की टिकटें 5 करोड़ रुपये में बेचीं, जिसके बाद कार्रवाई तेज हो गई। नवजोत कौर के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद सुखजिंदर रंधावा ने सवाल किया कि।

नवजोत कौर सिद्धू का यू-टर्न, बयान पर सफाई (पढ़े पेज 8 पर)

गौरव खन्ना बने बिग बॉस 19 के विजेता

मुंबई| बिग बॉस 19 का ग्रैंड फिनाले रविवार को मुंबई में हुआ, जहां टीवी एक्टर गौरव खन्ना ने ट्रॉफी और 50 लाख रुपये का कैश प्राइज जीतकर सीजन के विजेता बने। फरहाना भट्ट रनर-अप रहीं, जबकि तीसरे स्थान पर प्रणीत मोरे, चौथे पर तान्या मित्तल और पांचवें पर अमाल मलिक रहे। गौरव खन्ना CID और अनुपमा जैसे लोकप्रिय टीवी शो में नजर आ चुके हैं। फिनाले में कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडे, करण कुंद्रा और भोजपुरी स्टार पवन सिंह शामिल हुए। धमकी के बावजूद पवन सिंह कार्यक्रम में पहुंचे। शो के दौरान सलमान खान दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को याद कर भावुक हो गए।

थाईलैंड ने कंबोडिया पर की एयर स्ट्राइक

नई दिल्ली| थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा तनाव एक बार फिर हिंसा में बदल गया है। थाई वायुसेना ने कंबोडिया की सीमा के पास स्थित एक कैसीनो पर F-16 फाइटर जेट से एयर स्ट्राइक की। थाई सेना का आरोप है कि यह कैसीनो अब कंबोडियाई सैनिकों का गुप्त बेस बन गया था, जहां भारी हथियार और ड्रोन रखे जा रहे थे। साथ ही, कंबोडिया अपने सैनिकों की नई तैनाती कर रहा था, जिसके चलते हवाई हमला किया गया। सीमा पर हुई गोलीबारी में अभी तक थाईलैंड के एक सैनिक की मौत और आठ सैनिक घायल होने की जानकारी सामने आई है

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

वंदे मातरम् के साथ अन्याय क्यों; जिन्ना-नेहरू विवाद, बंगाल गौरव और कांग्रेस पर मोदी की तीखी टिप्पणी

वंदे मातरम् पर संसद में चर्चा: कांग्रेस ने वंदे मातरम् के टुकड़े किए: जिन्ना के सामने नेहरू झुके

समर न्यूज | नई दिल्ली

सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। लगभग एक घंटे के अपने भाषण में उन्होंने न केवल 'वंदे मातरम्' की ऐतिहासिक भूमिका, स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी प्रेरक शक्ति और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के महत्व को स्थापित किया, बल्कि कांग्रेस, मुस्लिम लीग और मोहम्मद अली जिन्ना के कारण इस गीत पर उठे विवाद पर तीखा हमला भी बोला।

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कई ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् किसी सरकार, विचारधारा या पंथ का नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, मातृभूमि के गौरव और आज़ाद मानसिकता का प्रतीक है—"यह नारा आज भी प्रेरणा देता है, त्याग और तपस्या की राह दिखाता है।" उन्होंने अपने भाषण में विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि महत्मा गांधी वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत के बराबर मानते थे, लेकिन बाद में राजनीतिक समझौतों के कारण इस गीत को विवादों में घसीटा गया। मोदी ने सवाल उठाया—"वंदे मातरम् इतना महान था, इसकी भावना इतनी विराट थी, तो फिर बीते दशकों में इसके साथ अन्याय क्यों? वह कौन-सी शक्ति थी जो बापू की भावना से भी ऊपर साबित कर दी गई।

• 1906: बारीसाल से उठा जन आंदोलन

मोदी ने 20 मई 1906 का एक उदाहरण सुनाया जब बारीसाल (अब बांग्लादेश) में 10 हजार से अधिक लोगों ने वंदे मातरम् के झंडे लेकर जुलूस निकाला। इसमें हिंदू-मुस्लिम समेत विभिन्न धर्मों के लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन का यह मंत्र किसी धर्म विशेष का नहीं था, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक चेतना का प्रतीक था। "हमारे वीर क्रांतिकारी फांसी के तख्त तक 'वंदे मातरम्' कहते गए। बंगाल की गली-गली में यह नाद गूंजता था और यही गीत अंग्रेजों के खिलाफ जनता की एकता बन गया।" गुलामी से विश्व अर्थव्यवस्था तक प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए, तब देश गुलाम था। 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की काली रात में था। आज जब 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं, भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा-"दुनिया के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा भाव गीत होगा, जो सदियों तक एक लक्ष्य के लिए करोड़ों लोगों को प्रेरित करता हो। गुलामी के दौर में भी ऐसे महापुरुष इस देश में जन्म लेते थे जो इतने अद्भुत गीत रच सकें—यह विश्व के लिए आश्चर्य है।"

1936-37: जिन्ना के विरोध के बाद कांग्रेस की भूमिका पर सवाल

अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 अक्टूबर 1936 को मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ में वंदे मातरम् के खिलाफ अभियान छेड़ा, इसे मुस्लिम विरोधी करार दिया, और इसी दबाव में कांग्रेस नेतृत्व झुक गया। मोदी ने आरोप लगाया कि नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखाई दिया, और बजाय मुस्लिम लीग के आरोपों का विरोध करने के, उन्होंने गीत की पड़ताल शुरू कर दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नेहरू ने पांच दिन बाद सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखकर जिन्ना की भावनाओं से सहमति जताई, और लिखा—"वंदे मातरम् की आनंदमठ वाली पृष्ठभूमि से मुस्लिम समुदाय को ठेस लग सकती है।" मोदी ने कहा कि यह इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति ने इस गीत के उपयोग की समीक्षा का निर्णय भी लिया, जो राष्ट्रीय आंदोलन की आत्मा को चोट पहुंचाने वाला कदम था।

INC चलकर MNC हो गया

मोदी ने कांग्रेस की नीति पर तंज कसा-"कांग्रेस ने अपने विचार आउटसोर्स कर दिए। INC चलते-चलते MNC हो गया। जिन-जिन के साथ कांग्रेस जुड़ता है, वे वंदे मातरम् पर विवाद खड़ा करते हैं।" जिस कांग्रेस को स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व करना चाहिए था, उसने स्वदेशी की भावना को बांटने वाले मार्ग पर चलना पसंद किया।

अंग्रेज रणनीति बंगाल की 'प्रयोगशाला'

मोदी ने स्पष्ट किया कि अंग्रेज जानते थे कि बंगाल देश के बौद्धिक और वैचारिक नेतृत्व का केंद्र है। इसलिए उन्होंने 'फूट डालो और राज करो' के प्रयोग की शुरुआत वहीं से की। "अंग्रेजों को विश्वास था-एक बार बंगाल टूट गया, तो भारत टूट जाएगा। 1905 में बंगाल का विभाजन हुआ, और उसी वक्त वंदे मातरम् चट्टान की तरह खड़ा रहा।" अंग्रेज वंदे मातरम् के प्रसार से इतने भयभीत थे कि उसके गाने, लिखने, छापने और यहां तक कि बोलने पर भी सज़ा दी जाती थी।

'बंग-स्तुति' और राजनीतिक महत्व

मोदी के भाषण में बंगाल और बंगाली गौरव का विशेष उल्लेख रहा। उन्होंने बंकिमचंद्र को 'बंकिम दा' कहकर याद किया। इस पर तृणमूल मूल पार्टी के सांसद सौगत रॉय ने उन्हें 'बंकिम बाबू' कहने की विनती की। मोदी ने शालीनता से 'धन्यवाद' कहा और फिर मुस्कुराते हुए चुटकी लेते हुए बोले—"आपको तो दादा कह सकता हूं न? कहीं आपको उस पर आपत्ति न हो जाए!" विपक्ष और राजनीतिक विश्लेषक इस पूरे घटनाक्रम को 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में देख रहे हैं।

एकता-सामूहिक शक्ति का प्रतीक

सरकार ने वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर सालभर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। लोकसभा में मोदी के भाषण ने दो ऐतिहासिक धाराओं को स्पष्ट किया, पहला-वंदे मातरम् सिर्फ गीत नहीं, स्वतंत्रता चेतना का मंत्र था। दूसरा, राजनीतिक समझौतों ने इसके मायने बदल दिए। पीएम ने इसे आत्मगौरव और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ते हुए, आज के भारत की उपलब्धियों से भी जोड़ा। उनका संदेश साफ था- "वंदे मातरम् विभाजन नहीं, भारत की एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।"

गिरिराज सिंह ने कहा- कुछ लोग वंदे मातरम नहीं मानते

भाजपा सांसद गिरिराज सिंह ने कहा, कुछ लोग वंदे मातरम में यकीन नहीं रखते, लेकिन बाबरी मस्जिद पर रखते हैं। यह हुमायूं कबीर ने नहीं, बल्कि ममता बनर्जी ने करवाया है। यह एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया है और अब ममता बनर्जी को इसके नतीजे भुगतने होंगे।

• वंदे मातरम के खिलाफ थे नेहरू: शहजाद

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने संसद में वंदे मातरम पर होने वाली चर्चा को लेकर कहा, पूरा देश दोनों सदनों में एक ऐतिहासिक पल देखेगा। यह सिर्फ एक गीत नहीं है,बल्कि एक ऐसी पुकार है जिसने करोड़ों भारतीयों को ब्रिटिश राज, गुलामी, हमलावरों के खिलाफ उनकी लड़ाई में एकजुट किया। नेहरू जी इस गाने के खिलाफ थे। तुष्टीकरण और वोट बैंक को प्राथमिकता देते हुए, उन्होंने इसके खिलाफ एक अभियान शुरू किया और कहा कि इसमें सांप्रदायिक रंग है।

• जिन्ना के मुन्ना को वंदे मातरम् से दिक्कत: अनुराग

वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- वंदे भारत राष्ट्रभक्तों के लिए एनर्जी है। कुछ लोगों को इससे एलर्जी है। हम उनका कुछ नहीं कर सकते हैं। लेकिन आज मैं ये जरूर कहूंगा कि अंग्रेजों को वंदे मातरम् से दिक्कत थी। उन्होंने आगे कहा- जिन्ना को वंदे मातरम् से दिक्कत थी। अब जिन्ना के मुन्ना को भी वंदे मातरम् से दिक्कत है। जिनमें वंदे मातरम् सुनकर ऊर्जा का संचार नहीं होता या तो वे कांग्रेसी है या कम्युनिस्ट या लीग के समर्थक हैं। ठाकुर ने कहा- एक समय वो था जब वंदे मातरम् का शताब्दी वर्ष था। उस समय आपातकाल लगाकर देश को अंधकार में डालने का काम किया गया। उन्होंने आगे कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश के संविधान को तार-तार करने का काम किया था। उस समय तो चर्चा भी नहीं हो पाई थी। आज पीएम मोदी अपने भाषण में वंदे मातरम् का इतिहास और महत्व को देश के सामने रखा है।

• वंदे मातरम केवल गाने के लिए नहीं बल्कि निभाने के लिए हो: अखिलेश यादव

लोकसभा में वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर बहस के दौरान समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि वंदे मातरम ने देश को एक किया और आजादी की लड़ाई में जान डाली। सत्ता पक्ष हमेशा सब कुछ अपना बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को अंग्रेजों ने बैन भी कर दिया था, उसके बाद भी हमारे क्रांतिकारी लोग माने नहीं, वंदे मातरम को उन्होंने हमेशा दिल और दिमाग में रखा। स्वदेशी आंदोलन में भी हम लोग इसी गाने के सहारे चले। सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि वंदे मातरम केवल गाने के लिए नहीं बल्कि निभाने के लिए हो।

चर्चा में भाग लेना सौभाग्य की बात

अरविंद सावंत (शिवसेना- यूबीटी) ने कहा कि इस चर्चा में भाग लेना उनके लिए सौभाग्य की बात है। जब मैं स्कूल में था, तब वंदे मातरम्, जन गण मन ये गीत हर जगह गाए जाते थे। आरएसएस, भाजपा पर परोक्ष कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि कुछ संगठनों ने 50 सालों तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया।

राजा बोले- मोदी हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं

लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस के दौरान DMK सांसद ए. राजा ने कहा- वंदे मातरम् का विरोध इसमें मूर्ति पूजा और धार्मिक दुश्मनी की वजह से हुआ था। पीएम मोदी का सपना भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है।

गोगोई बोले- वंदे मातरम् ब्रिटिश शासन के विद्रोह में था

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि राष्ट्रगीत में जो राष्ट्र है, उसे आपने (केंद्र सरकार) ने कभी नहीं समझा है। आज अगर भारत मजबूत राष्ट्र है, वो इसलिए क्योंकि इसमें बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल, पंजाब, कर्नाटक, नगालैंड सभी राज्यों की राष्ट्रभक्ति समाई हुई है। हमारे देश में धर्म अनेक, भाषा अनेक, पैगंबर एक, लेकिन संविधान का ग्रंथ सिर्फ एक है। आप कहते हैं कि वंदे मातरम नेशनल एंथम बने, लेकिन जब पूरे देश ने जन-गण-मन को राष्ट्रगान का तवज्जो दिया, तो आपके राजनीतिक पूर्वजों ने न तिरंगे को तवज्जो दी, न राष्ट्रगान को तवज्जो दी। आप क्या राष्ट्रभक्ति की बात करते हैं। गोगोई ने कहा कि वंदे मातरम् ब्रिटिश शासन के विद्रोह में लिखा गया था। हम ब्रिटिश को बताना चाहते थे कि हम झुकेंगे नहीं। मैं पीएम मोदी से पूछना चाहूंगा कि आपके राजनीतिक पूर्वजों ने इस मंशा को कब पूरा किया था। क्या इतिहास गवाह नहीं कि आपके राजनीतिक पूर्वज खुद कहते थे कि भारत छोड़ो आंदोलन में भाग नहीं लेना चाहिए। और आज आप स्वतंत्रा सेनानियों की बात करते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने खुद कहा था कि वंदे मातरम् की पूरी भावना उसके शुरुआती दो स्टैंजा में है। जिस मुस्लिम लीग ने कहा कि वंदे मातरम् का बहिष्कार करो, हमने 1950 में उस मुस्लिम लीग को कहा कि हम इसे राष्ट्रीय गीत का तवज्जो देंगे। इस सिद्धांत के साथ राजेंद्र प्रसाद जी, मौलाना आजाद जी, रविशंकर शुक्ला जी पूरी तरह से सहमत थे। आपकी पार्टी ने कभी बंगाल को समझने की कोशिश ही नहीं है।

पेज 1 एंकर स्टोरी चट्टोपाध्याय ने गीत वर्ष 1875 में रचा, बाद में इसे अपने उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया

'वंदे मातरम्' का इतिहास: गीत से जन आंदोलन तक

समर न्यूज | नई दिल्ली

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय (1838-1894) उन शुरुआती भारतीयों में थे जिन्हें ब्रिटिश शासन ने 1858 में, ईस्ट इंडिया कंपनी से सत्ता लेने के बाद, डिप्टी कलेक्टर जैसी महत्वपूर्ण प्रशासनिक ज़िम्मेदारी दी। अपने सरकारी कार्यकाल में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा 'राय बहादुर' सहित कई सम्मान भी मिले।

उन्होंने यह गीत वर्ष 1875 में रचा। इसकी भाषा बांग्ला और संस्कृत का मिश्रण थी। बाद में बंकिम ने 1885 में प्रकाशित अपने उपन्यास 'आनंदमठ' में इस गीत को शामिल कर दिया। इस गीत में प्रयुक्त कल्पनाएं, प्रकृति के प्रतीक और वर्णित दृश्य पूरी तरह बंगाल क्षेत्र से जुड़े हैं। गीत में 'सात करोड़ जनता' का प्रसंग भी उसी समय के बंगाल प्रांत (जिसमें बिहार और ओडिशा भी शामिल थे) की कुल आबादी के संदर्भ में है। बाद में जब अरविंदो घोष ने इसका अंग्रेज़ी अनुवाद किया, तो इसे 'बंगाल का राष्ट्रीय गीत' भी कहा गया। इसी दौरान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसके लिए सुंदर धुन तैयार की। 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध ने इस गीत को सचमुच जनआंदोलन का स्वर बना दिया। ब्रिटिश शासन के खिलाफ उठे व्यापक रोष में 'वंदे मातरम्' का

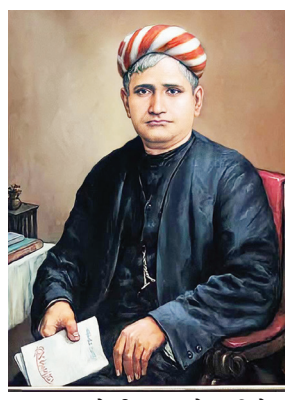

मुखड़ा अंग्रेज़ी सत्ता के प्रतिरोध का प्रतीक बन गया। हिन्दू-मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों ने इसे आंदोलन का हथियार बनाया।

जब बारिसाल (अब बांग्लादेश) में किसान नेता एम. रसूल की अध्यक्षता में हो रहे कांग्रेस अधिवेशन को केवल 'वंदे मातरम्' गाने के कारण अंग्रेज़ी सेना ने बर्बर तरीके से तोड़ा, तो यह नारा रातों-रात बंगाल से निकलकर पूरे भारत में फैल गया। इसके बाद क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ी हस्तियां—भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, रामप्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाक़ुल्लाह ख़ान—ने भी इसे अपने संघर्ष का स्वर बनाया। 20वीं सदी के दूसरे दशक में, जब स्वतंत्रता आंदोलन व्यापक रूप ले रहा था, तब कांग्रेस, जिसके नेतृत्व में यह आंदोलन चल रहा था, ने 1937 में एक समिति गठित की जिसमें गांधी, नेहरू, मौलाना आज़ाद और सुभाष चंद्र बोस शामिल थे। आलोचना यह थी कि यह गीत भारत के राष्ट्रवाद को पूरी तरह एक धर्म की प्रतीकात्मक भाषा में प्रस्तुत करता है। आपत्ति केवल मुस्लिम संगठनों की नहीं, बल्कि सिख, जैन, ईसाई और बौद्ध समुदायों द्वारा भी उठाई गई। समाधान के रूप में यह तय हुआ कि राष्ट्रवादी संदर्भ में सिर्फ शुरुआती दो अंतरे ही गाए जाएँ, क्योंकि इनमें धार्मिक संकेत नहीं हैं। इसके विपरीत आरएसएस और हिन्दू महासभा ने पूरे गीत को अपनाने की मांग की, जबकिमुस्लिम लीग ने संपूर्ण गीत का कड़ा विरोध किया।

लोकसभा में वंदे मातरम् चर्चा का ममता ने किया स्वागत

समर न्यूज | कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा में 'वंदे मातरम्' पर चर्चा शुरू करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का स्वागत किया और कहा कि उनकी पार्टी को इससे कोई आपत्ति नहीं है। ममता बनर्जी ने शहर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा,"उन्हें करने दें, हमें कोई दिक्कत नहीं है।" यह बयान उन्होंने उत्तर बंगाल के आधिकारिक दौरे के लिए रवाना होने से पहले दिया। हालांकि, ममता बनर्जी ने इस दौरान कुछ भाजपा नेताओं द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी और राजा राम मोहन राय जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति असम्मानजनक टिप्पणियों का उल्लेख भी किया।

'वंदे मातरम्' भारत की एकता और शक्ति का प्रतीक : ओम बिरला

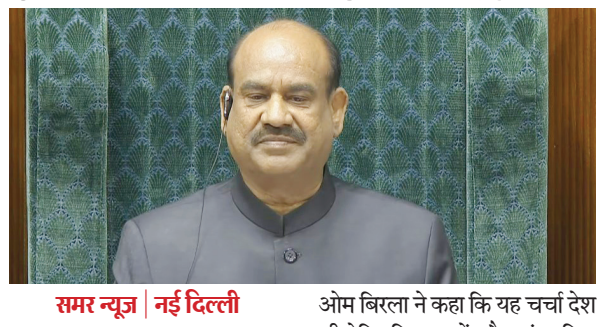

समर न्यूज | नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' पर दिनभर चलने वाली विशेष चर्चा के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इसे भारत की एकता, सौहार्द और शक्ति का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल राष्ट्रगान नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा और स्वतंत्रता संघर्ष की धड़कन है। ओम बिरला ने कहा कि यह चर्चा देश की ऐतिहासिक यादों और सांस्कृतिक मूल्यों को दोबारा जीवंत करने का अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सांसद अपने विचारों से इस बहस को सत्र का ऐतिहासिक अध्याय बनाएंगे। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि सदस्य अपने विचारों से 'वंदे मातरम्' की उज्ज्वल ऊर्जा को आने वाली पीढ़ियों तक और अधिक गहराई के साथ पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएँगे।

500 करोड़ के बयान पर भड़के शिवकुमार

कर्नाटक में डीके शिवकुमार का नवजोत कौर सिद्धू पर पलटवार

समर न्यूज | जालंधर

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने पंजाब कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू के हालिया बयान पर तीखा हमला बोला है। नवजोत कौर ने दावा किया था कि देश में मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपये देने पड़ते हैं। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने उन्हें "किसी अच्छे मानसिक अस्पताल में भर्ती कराए जाने" की सलाह दे दी। उनके इस बयान ने कांग्रेस के भीतर और अन्य राजनीतिक दलों में नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, पूर्व क्रिकेटर और पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने शनिवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलकर मीडिया से बात करते हुए कहा था कि "जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वही मुख्यमंत्री बनता है।" इस बयान के बाद बीजेपी और

नवजोत कौर और डी.के. शिवकुमार। - समर न्यूज

आम आदमी पार्टी ने उन्हें निशाने पर ले लिया और कहा कि कांग्रेस अपने ही नेताओं के आरोपों से बच नहीं सकती। नवजोत कौर ने आगे कहा था कि अगर कांग्रेस उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू को 2027 विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दे, तो सिद्धू दोबारा सक्रिय राजनीति में लौट आएंगे। उन्होंने दावा किया कि उनके पास किसी भी पार्टी को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन सिद्धू "पंजाब को स्वर्ण राज्य" में बदलने की क्षमता रखते हैं। उनके अनुसार, "हम हमेशा पंजाबियत और पंजाब की बात करते हैं, लेकिन हमारे पास 500 करोड़ नहीं हैं कि किसी कुर्सी के लिए दे सकें।" जब उनसे पूछा गया कि क्या किसी ने उनसे पैसे की मांग की, तो उन्होंने कहा कि ऐसा सीधा अनुभव नहीं है, लेकिन राजनीति में वही व्यक्ति आगे बढ़ता है जिसके पास पैसों की ताकत हो। इस बयान को विपक्ष ने तुरंत लपका और इसे कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में कथित भ्रष्टाचार का प्रमाण बताया। विवाद बढ़ता देख नवजोत कौर रविवार शाम एक्स पर सफाई देने उतरीं। उन्होंने लिखा, "मेरे सीधे बयान को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जा रहा है। कांग्रेस ने कभी हमसे कुछ नहीं मांगा।" उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका बयान किसी पार्टी विशेष पर हमला नहीं था, बल्कि राजनीतिक सिस्टम में पैसे के प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त करने के लिए था।

हालांकि, शिवकुमार की तीखी प्रतिक्रिया के बाद यह विवाद अब केवल पंजाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में भी चर्चा का विषय बन गया है। आने वाले समय में पार्टी इस विवाद को कैसे संभालती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

सिख वीरों को समर्पित स्मारकों संग हेरिटेज स्ट्रीट का लोकार्पण

समर न्यूज | अमृतसर

राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत सिंह साहनी ने आज यहां पहुंचकर नवीनीकरण कार्यों के साथ-साथ सिख इतिहास के महान योद्धाओं जरनैल हरी सिंह नलवा और बंदा सिंह बहादुर को समर्पित विशेष विरासत स्मारकों का भी औपचारिक उद्घाटन किया। अमृतसर की ऐतिहासिक पहचान हेरिटेज स्ट्रीट एक नए और बेहद खूबसूरत स्वरूप में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए तैयार है। श्री हरिमंदिर साहिब तक जाने वाले इस मार्ग का उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी और पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने संयुक्त रूप से किया। यह डॉ. साहनी के एमपीएलएडी फंड से दो वर्षों में पूरा हुआ व्यापक रीस्टोरेशन प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य है, श्री दरबार साहिब तक पैदल पहुंचने वाले हजारों श्रद्धालुओं को एक आरामदायक, सुंदर और आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करना। करीब 3 करोड़ रुपए की लागत से तैयार इस प्रोजेक्ट में कई आधुनिक सुविधाएं जोड़ी गई हैं

दिल्ली की सीएम ने श्री दरबार साहिब में टेका माथा

शताब्दी समारोह के बाद जताया गुरु साहिब के प्रति आभार

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। - समर न्यूज

समर न्यूज | अमृतसर

दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पूरी कैबिनेट आज श्री दरबार साहिब के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंची। उन्होंने लाल किले पर मनाई गई 350वीं शताब्दी समारोह के बाद गुरु साहिब के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दिल्ली कमेटी के साथ मिलकर यह दिवस मनाया गया, साथ ही गुरु साहिब के जीवन और इतिहास को बच्चों तक पहुँचाने के लिए किताबें और जीवनी भी लिखी गई हैं।

सीस गंज साहिब, जहां गुरु साहिबों की शहादत हुई, और लाल किला दोनों को भी उन्होंने श्रद्धा स्वरूप याद किया।

विभाग की स्मारिका विभागीय कैलेंडर का विमोचन

रैतिक परेड में सलामी लेते हुए सीएम धामी। - समर न्यूज

समर न्यूज | देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ननूरखेड़ा, देहरादून में होमगाईस स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में रैतिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की स्मारिका 2025 और विभागीय कैलेंडर 2026 का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने सेवा प्रदत्त एवं दिवंगत होमगार्ड के आश्रितों को चेक भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने 63वें होमगाईस एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रस्तुत की गई रैतिक परेड अत्यंत गौरवशील है। परेड में राष्ट्रसेवा के प्रति जवानों के समर्पण, साहस और उत्कृष्टता की शानदार झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री ने कहा होमगार्ड जवान कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और जनसेवा के दायित्वों को निभाते हैं। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने होम गाईस जवानों के कल्याण और संगठन के उत्थान के लिए अनेकों महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा कि की होमगार्ड्स स्वंयसेवकों को वर्दी भत्ता अनुमन्य किया जाएगा। राज्य में अर्न्तजनपदीय ड्यूटीयों में तैनात होने वाले होमगार्डस स्वयंसेवकों को मिलने वाले भोजन भत्ते को 100 रूपये से बढ़ाकर 150 रुपए प्रतिदिन किया जाएगा। नागरिक सुरक्षा संगठन के स्वयंसेवकों को मिलने वाले प्रशिक्षण भत्ते को 50 रुपए से बढ़ाकर 140 रुपए प्रतिदिन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने पहली बार होमगार्ड्स जवानों को 12 आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया। महिला होमगार्ड्स को प्रसूति अवकाश प्रदान करने की सुविधा भी प्रारंभ की गई है। पुलिस कर्मियों और एनडीआरएफ की भांति 9 हजार फीट से अधिक ऊँचाई पर ड्यूटी करने वाले होमगाईस स्वयंसेवकों को 200 रुपए प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय भी लिया गया है।

जालंधर में निहंग सिंहों ने शांति और सहिष्णुता का संदेश दिया

निहंग सिंह शांति संदेश देते हुए। - समर न्यूज

समर न्यूज | जालंधर

पिछले कई दिनों से पंजाब में धार्मिक परिवर्तन को लेकर निहंग सिंह जत्थेबंदियों और पंजाब बचाओ मोर्चा ने एक बड़ा मोर्चा खोला था, जो प्रोपेगैंडा कर रहे ईसाई पादरों के खिलाफ था। ऐसे माहौल में जलंधर में कई निहंग सिंह जत्थों ने पुलिस कमिश्नर को शिकायत पत्र सौंपकर मांग की है कि माहौल खराब करने वालों के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि जो कोई भी जिस धर्म को अपनाना चाहता है, उसकी वे इज्जत करते हैं, लेकिन जो लोग आवाज उठा रहे हैं, उन्हें पहले अपने घरों में देखना चाहिए कि वे पंजाब का माहौल खराब न करें। अगर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं हुई तो पंजाब का माहौल ठीक नहीं रहेगा, और वे इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह शिकायती पत्र जत्थेदार बूढ़ा दल (दोआबा जोन) की ओर से दिया गया है, जो पंजाब में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिल रद्दीकरण को लेकर सदन के बाहर विरोध प्रदर्शन

समर न्यूज | जालंधर

जालंधर में किसानों ने शक्ति सदन के बाहर बिजली बिल रद्द करने की पुरजोर मांग को लेकर एक बार फिर प्रदर्शन किया। किसान संगठन ने हालिया बिजली बिलों को निरस्त किए जाने की मांग के साथ साथ ड्राफ्ट इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल 2025 को पूरी तरह वापस लेने, प्रीपेड या स्मार्ट मीटर हटाकर पुरानी मीटर प्रणाली बहाल करने पर जोर दिया। किसान नेताओं का आरोप है कि यह प्रस्तावित कानून और राज्य सरकार की नीतियां बिजली बोर्ड के निजीकरण और सार्वजनिक संपत्तियों की जबरन बिक्री का रास्ता साफ कर रही हैं।

इससे किसानों, मजदूरों और अन्य आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ सकता है। किसान नेता जसवंत सिंह ने बताया कि अगर बिजली विभाग केंद्र सरकार के या निजी एजेंसियों के अधीन चला गया तो आम जनता को बड़ा नुकसान सहना पड़ेगा।

समिति ने मौके पर जाकर नृत्य बंद कराया

क्रिकेट मैच के दौरान अनुचित नृत्य

समर न्यूज | बठिंडा

बठिंडा के खालसा दीवान गुरुद्वारा सिंह सभा के एक मैदान को किसी व्यक्ति को पट्टे पर दिया गया है। उस जगह पर किराए पर लेकर क्रिकेट मैच आयोजित किए जा रहे थे।

इस दौरान मैदान पर आधी नग्न लड़कियों द्वारा नृत्य किया जा रहा था। जब खालसा दीवान गुरुद्वारा सिंह सभा की समिति को इस बात की जानकारी हुई, तो उन्होंने तुरंत मौके पर जाकर नृत्य कार्यक्रम बंद कराया।

गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्ष ने कहा कि हम मैच बंद नहीं करवा रहे थे क्योंकि हम किसी के काम में विघ्न नहीं डालना चाहते, लेकिन जो यहां आधी नग्न लड़कियों द्वारा नृत्य किया जा रहा था, वह बिल्कुल गलत था और उसे बंद करवा दिया गया।

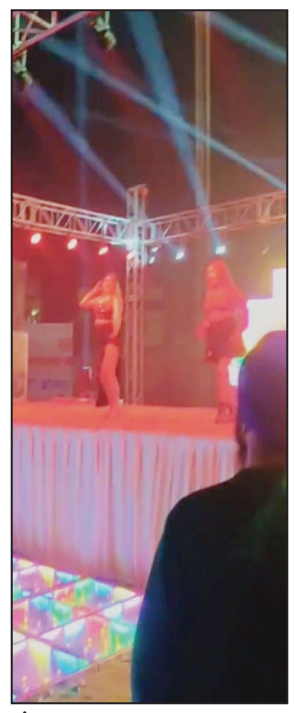

डांस का दृश्य। - समर न्यूज

पंजाब जिला परिषद चुनावों में आप को बढ़त का दावा

समर न्यूज | पंजाब

आम आदमी पार्टी के विधायक और मुखर प्रवक्ता कुलदीप सिंह धालीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पंजाब के जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों में जनता का बड़ा रुख आम आदमी पार्टी की ओर है। उन्होंने बताया कि भगवंत मान सरकार द्वारा गांवों में किए गए विकास कार्यों का असर चुनाव परिणामों में साफ दिख रहा है।

ढालिवाल ने मार्च में शुरू हुई नशा मुक्त अभियान की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब के 50% से अधिक गांव नशामुक्त हो चुके हैं और 1000 से अधिक गांव पूरी तरह नशामुक्त घोषित किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने 3100 गांवों में स्टेडियम बनाकर युवा वर्ग को खेलों की ओर प्रोत्साहित किया है। बिजली और गांवों की लिंक रोड निर्माण के संबंध

कुलदीप सिंह धालीवाल। - समर न्यूज

में उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार सभी को निःशुल्क बिजली उपलब्ध करवा रही है और ग्रामीण इलाकों में सड़क नेटवर्क विकसित हो रहा है। अब तक 60 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार भी दिया गया है। 328 स्वरूप मामले पर ढालिवाल ने कहा कि यह मामूली मुद्दा नहीं था और FIR दर्ज होना एक सही और आवश्यक कदम है। अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें खुद आगे आकर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

जालंधर एटीएम से निकले फटे नोट, लोगों में हंगामा

समर न्यूज | जालंधर

जालंधर के वेस्ट हलके में 66 फीट रोड पर स्थित बैंक के एटीएम से बुधवार देर रात लोगों को फटे और पुराने नोट मिले। सबसे पहले एक व्यक्ति ने 10 हजार रुपए निकाले, जिनमें 500-500 के कई नोट न केवल फटे हुए थे बल्कि उनकी प्रिंट क्वालिटी भी बेहद खराब थी। इसके कुछ मिनट बाद एक और युवक ने 4 हजार रुपए निकाले और उसे भी इसी तरह के खराब व संदिग्ध नोट मिले।

लोगों के जमा होने पर एटीएम के सिक्योरिटी गार्ड से पूछताछ की गई, लेकिन उसने साफ कहा कि उसे नोटों के बारे में कोई उसे कोई जानकारी नहीं है। गार्ड ने बताया की उसने पूरी घटना की सूचना अधिकारी को दे दी, जिन्होंने मशीन तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। साथ ही आश्वासन दिया गया कि पीड़ितों के पैसे जांच के बाद वापस कर दिए जाएंगे।

उसमान गांव के रहने वाले राजवीर,जो इस घटना के मुख्य पीड़ितों में से एक हैं, उन्होंने बताया कि वह अपनी 10 हजार रुपए की मासिक सैलरी निकालने आए थे, लेकिन नोटों की हालत देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने कहा कि यह उनकी महीने भर की पूरी कमाई थी और ऐसे खराब नोट निकलने से उनके सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। घटना के समय 2 से 3 अन्य लोग भी एटीएम से पैसे निकालने आए थे, जिन्होंने बताया कि मशीन से लगातार खराब और संदिग्ध गुणवत्ता वाले नोट निकल रहे थे।धीरे-धीरे भीड़ बढ़ती गई और एटीएम के बाहर देर रात तक हंगामा होता रहा। स्थानीय निवासियों ने भी एटीएम की कैश मैनेजमेंट सिस्टम पर सवाल उठाए और बैंक प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

पाकिस्तानी हथियार तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

छह आरोपियों सहित एक नाबालिग गिरफ्तार, पिस्टल बरामद

समर न्यूज | अमृतसर

अमृतसर क्लीयरेंस कमिश्नरेट पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तेजी से कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से संचालित हथियार तस्करी के एक नेटवर्क को उखाड़ फेंका।

इस कार्रवाई में छह आरोपियों सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है और पांच .30 बोर तथा एक PX5 9mm पिस्तौल बरामद की गई हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सीधे पाकिस्तान स्थित हैंडलर से संपर्क में थे, जो हथियार की खेप की जानकारी साझा करता था।

यह संगठित गिरोह पंजाब के मझा और दोआबा क्षेत्रों में अपराधियों को हथियार सप्लाई करता था।

अमृतसर के छावनी पुलिस स्टेशन में हथियार अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज कर जांच जारी है। जांच में नेटवर्क के रिसीवर, वित्तीय

पकड़े गए हथियार। - समर न्यूज

चैनलों और जुड़े अन्य सदस्य की पहचान हेतु कदम उठाए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस सरहद पार हथियार तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाक मंत्री हयात ने की पंजाबी सिंगर की तारीफ

समर न्यूज | जालंधर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शिक्षा मंत्री राणा सिकंदर हयात ने पंजाबी व बॉलीवुड सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ और करण औजला की तारीफ की। पाकिस्तान के लाहौर में हुई पंजाबी कॉन्फ्रेंस में राणा ने कहा कि इन कलाकारों ने पूरी दुनिया में पंजाबियों का नाम रोशन किया है। इससे पहले पंजाबियों को कौन जानता था।

पंजाबी कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के मंत्री ने कहा कि पंजाबी इधर के हों या भारत के हों, सबका दुनिया में नाम हुआ है। दोनों कलाकारों ने पंजाबी जुबान को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाया। आजकल तो दिलजीत ही चलता है। पाकिस्तान में उतना ही चलता है, जितना भारत और दुनियाभर में। पाकिस्तान के एजुकेशन मिनिस्टर राणा ने कहा कि सारी दुनिया में पंजाबियों ने अपने गीत-संगीत से दबदबा बनाया है।

सरकार ने सिख परंपरा और श्रद्धा का दिखाया सम्मान

इंडिगो संकट में सिंहों को पहुंचाने के लिए सीएम ने भेजा प्लेन

समर न्यूज | अमृतसर

श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत शताब्दी के अवसर पर नागपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इंडिगो एयरलाइंस के संकट के कारण रागी सिंहों का जत्था समय पर नागपुर नहीं पहुँच पाया।

लाखों सिख संगत गुरुबाणी सुनने के लिए मौजूद थी और स्थिति बेहद नाजुक हो गई थी। ऐसे समय में महाराष्ट्र सरकार ने जो तत्परता दिखाई, उसने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप कर राज्य सरकार का चार्टर्ड प्लेन तुरंत भेजने का निर्णय लिया ताकि रागी सिंह बिना किसी देरी के नागपुर पहुँच जाएं।इस साहसिक फैसले ने न केवल कार्यक्रम को सफल बनाया, बल्कि यह साबित किया कि भाजपा नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार सिख परंपरा, धार्मिक भावनाओं और गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान के प्रति गहरी संवेदनशीलता रखती है। यह कदम प्रशासनिक सक्रियता के साथ-साथ धार्मिक विरासत के सम्मान का भी प्रतीक बन गया।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के सर्वोच्च बलिदान की 350वीं शहादत शताब्दी के उपलक्ष्य में सिख संगत ने महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से तीन बड़े कार्यक्रम आयोजित किए हैं। पहला कार्यक्रम 07 दिसंबर 2025 को नागपुर में सम्मानपूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें गुरु नाम लेने वाले लाखों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम दमदमी टकसाल के जत्थेदार ज्ञानी हरणाम सिंह खालसा की अगुवाई में हुआ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे और उन्होंने 'हिंद की चादर' के तहत गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान को नमन किया।

रागी सिंहों को दिल्ली एयरपोर्ट से नागपुर तक विशेष चार्टर्ड फ्लाइट द्वारा लाया गया, जिसमें भइ करनैल सिंह जी, भइ जगतार सिंह जी, भइ मनप्रीत सिंह कानपुरी जी, और भइ अमरजीत सिंह पटियालावाले शामिल थे।

वे पहले अमृतसर से सड़क मार्ग द्वारा दिल्ली पहुंच चुके थे।आगे सिख संगत और महाराष्ट्र सरकार की ओर से दो बड़े आयोजन और किए जाएंगे मुंबई में 21 दिसंबर 2025 कोतख्त श्री हजूर साहिब में 24 जनवरी 2026 को तख्त श्री हजूर साहिब में होने वाले कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री के शामिल होने की भी संभावना है, जहां गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

श्री अकाल तख्त साहिब में पांच सिंह साहिबान की एकत्रता शुरू

जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह। - समर न्यूज

समर न्यूज | बठिंडा

श्री अकाल तख्त साहिब में पांच सिंह साहिबान की बैठक आयोजित की गई है, जिसका नेतृत्व कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह कर रहे हैं। इस बैठक में तख़्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी टेक सिंह, सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के ग्रंथी ज्ञानी केवल सिंह, तख़्त श्री केसगढ़ साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी जुगिंदर सिंह और श्री अकाल तख्त साहिब के पांच प्यारे ज्ञानी मंगल सिंह जी शामिल हैं। यह मुलाकात सिख धर्म के धार्मिक, सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई है।

सुरक्षा नवजात लड़कियों की मृत्यु दर लड़कों से तीन गुना अधिक

चंडीगढ़ में बेटियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

समर न्यूज | चंडीगढ़

पड़ोसी राज्यों से भी बदतर स्थिति शिशु मृत्यु दर पर केंद्र की रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंताहाल ही में केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट ने चंडीगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर किया है, जो कि खासतौर पर नवजात बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंताजनक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जहां कुल मिलाकर चंडीगढ़ का शिशु मृत्यु दर 7 दर्ज किया गया है, वहीं नवजात लड़कियों की मृत्यु दर 10 है, जबकि लड़कों की मृत्यु दर मात्र 4 है। इस आंकड़े से स्पष्ट होता है कि चंडीगढ़ में लड़कियों की मृत्यु दर लड़कों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। पड़ोसी राज्यों की तुलना में चंडीगढ़ की स्थिति के इस भेदभावपूर्ण शिशु मृत्यु दर के आंकड़ों से आश्चर्य तब और बढ़ जाता है जब इसे आसपास के राज्यों पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के आंकड़ों के साथ तुलना की जाए। पंजाब में लड़कियों की मृत्यु दर 17, हरियाणा में 24, और हिमाचल प्रदेश में 13 दर्ज है। हालांकि पड़ोसी राज्यों में कुल मृत्यु दर अधिक है, परंतु वहां लड़कों और लड़कियों के बीच इतनी बड़ी अंतराल देखने को नहीं मिलती जितना चंडीगढ़ में है। इसका मतलब यह निकलता है कि चंडीगढ़ में लिंग आधारित असमानता कहीं अधिक गहरा और अधिक भयावह है।कारणः देखभाल की कमी, कुपोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं तक असमान पहुंचस्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस स्थिति के पीछे कई कारण बताए हैं, जिनमें से प्रमुख कारण हैं नवजात लड़कियों को आवश्यक देखभाल न मिल पाना, संक्रमण का खतरा, कुपोषण, और गर्भवती महिलाओं का समय पर जांच न कराना। विशेषकर चंडीगढ़ के शहरी बस्तियों और स्लम क्षेत्रों में यह समस्याएं ज्यादा गहराई से देखी जा रही हैं।इसके अतिरिक्त, कई परिवारों में बेटी के जन्म के बाद शुरुआती दिनों में उन्हें वह विशेष ध्यान और पोषण नहीं दिया जाता जो कि जीवन बचाने के लिए बेहद जरूरी है। इससे नवजात लड़कियों की मृत्यु का खतरा काफी बढ़ जाता है।समाधान के लिए जरूरी कदमः जागरूकता व समान स्वास्थ्य सेवाविशेषज्ञों का मानना है कि चंडीगढ़ में इस असमानता को कम करने के लिए सबसे पहले जागरूकता फैलाना अनिवार्य है। मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और नवजात देखभाल की गुणवत्ता सुधारना भी अत्यंत आवश्यक है।जहाँ एक ओर चंडीगढ़ की स्वास्थ्य सेवाएं तकनीकी रूप से मजबूत मानी जाती हैं, वहीं दूसरी ओर सभी वर्गों तक समान रूप से इन सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना बहुत बड़ा चुनौती बना हुआ है। इसे पाटने के लिए सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करना होगा और स्थानीय समुदायों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार करना होगा। जो स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में बहुत आगे माना जाता है, वहां नवजात बेटियों की असुरक्षा यह दर्शाती है कि स्वास्थ्य सेवाओं का तकनीकी पक्ष ही पर्याप्त नहीं है। बेटियों के लिए समान और विशेष देखभाल सुनिश्चित करना, कुपोषण और संक्रमण से बचाव के लिए ठोस कार्यवाही करना और सामाजिक स्तर पर लिंग आधारित पूर्वाग्रह को खत्म करना अत्यंत आवश्यक है। तभी चंडीगढ़ में लड़कियों की शिशु मृत्यु दर में सुधार हो सकेगा और वे सुरक्षित जीवन पा सकेंगी। आगे बढ़ने के लिए सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य जांचों की नियमितता और सेवाओं तक समान पहुंच दिलाना बेहद जरूरी कदम हैं। यह केवल स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है कि वे बेटियों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराएं।

सा SUMMER न्यूज़

समर प्राइम 3

www.summerexpress.in

9 दिसंबर 2025

समर एक्सप्रेस

मैं बोलूंगा तो...

सिद्धू दंपती चुनाव से पहले एक्टिव मोड बाद में "बैटरी सेव मोड"

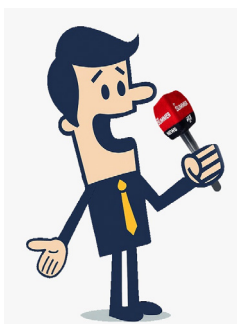

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में एक नया मौसम विज्ञान शुरू हो चुका है। जैसे ही चुनावी बादल उमड़ते हैं, सड़क किनारे पड़े कई पुराने नेता अचानक "टर्र-टर्र" मोड में एक्टिव होकर कूद पड़ते हैं। सबसे आगे दिखाई देता है सिद्धू दंपति का बरसाती जौंगा!

बरसात आते ही फिर से चालू—स्कूटर नहीं, सीधे VIP जौंगा, जो साल भर खामोश रहने के बाद चुनाव आते हीतेज हॉर्न + तेज बयानवाली पटरी पर दौड़ पड़ता है।

ड्राइविंग सीट पर वफादार कप्तान साहब, और फ्रंट VIP सीट पर मैडम सिद्धू दोनों बयान की बत्ती जलाकर ऐसा स्पीड पकड़ते हैं कि जनता पूछे—"इन्हें पेट्रोल नहीं, चुनावी बादल ही चलाते हैं क्या? बाकी साल? बस गाड़ी धूल में खड़ी। जनता बेगानी, बयान बंद, सिद्धू दंपति ऑफ!

पर चुनावी मौसम?

अचानक "हैंड्स-फ्री हाईकमान कॉलिंग मोड"—और जौंगा फुल स्टार्ट! अब लीजिए ताज़ा "ब्रेक-फेल" मोड़—500 करोड़ वाला पहाड़ी यू-टर्न! मैडम सिद्धू अचानक बोलीं— CM वही बनता है जो 500 करोड़ की अटैची देता है!"जनता दंग, हाईकमान तंग, माहौल रंग-बिरंगा।

लेकिन फिर बरसाती ने उलट छलांग मारी, "हमारा मतलब तो यह था किहमसे कभी कुछ नहीं मांगा! मीडिया गलत समझ गई!"

वाह जी बयान आपने दिया, रकम आप बताकर गए, पर गलतीमीडिया की!

मतलब अगर कल कह दो किजौंगा उड़ता है, और लोग हंस दें, तो दोष हंसने वालों का?

ऊपर से कांग्रेस हाईकमान भी भड़क गया—राजा वड़िंग जी ने सीधे शिकायत ठोक दी।

अब पार्टी पूछे—"किसने कहा 500 करोड़?

और मैडम जवाब दें—"अरे साहिब, हमने तो बस हवा का टेम्परेचर बताया था!"

वाह जी, मौसम विभाग भी ऐसी सटीक भविष्यवाणी नहीं कर पाता—500 करोड़ तक की बरसाती कुर्सी तूफान!

और यह सब क्यों?

क्योंकि हर बार चुनावी मौसम आते ही सिद्धू दंपति की भाषा, बयान और जौंगा—तीनों इमरजेंसी सर्विस में लग जाते हैं। फिर चुनाव बीतते ही पूरा सिस्टम "बैटरी सेव मोड"!

लोग पूछते हैं—क्या पंजाब की राजनीति में जौंगा से मिनी बस बनेगी?

नहीं जी पहले बरसाती मेंढक बनना बंद करो! हर चुनावी बारिश में टर्र-टर्र कर निकल आना बंद करो!

तभी जनता सोचेगी "ये नेता हैं, मौसम विभाग नहीं। जब तक बयान बाज़ी चालू और बरसाती छप-छप जारी, सिद्धू ब्रांड जौंगा सिर्फ स्टार्ट होगा चलेगा कभी नहीं!

लोकसभा में 'वंदे मातरम्' पर जोरदार बहस

राजनाथ बोले-गीत कभी इस्लाम विरोधी नहीं, प्रियंका ने कहा- इसे चुनावी रंग दिया

रक्षा मंत्री ने वंदे मातरम् को आज़ादी की 'क्रांतिकारी आवाज' बताया

समर न्यूज | नई दिल्ली

लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' पर ऐतिहासिक बहस देखने को मिली। आज़ादी के आंदोलन की धड़कन रहे इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर हुई चर्चा में सत्ता और विपक्ष दोनों आमने–सामने दिखे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् कभी इस्लाम विरोधी नहीं था, लेकिन कुछ लोगों ने इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा इस मुद्दे को आगामी बंगाल चुनाव के लिए भड़का रही है। दूसरी ओर, सांसद चंद्रशेखर आज़ाद और कई अन्य नेताओं ने इसे गर्व और सम्मान से जुड़ा क्षण बताया। सदन में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "इस वर्ष भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वंदे मातरम भारत के इतिहास, वर्तमान और भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। इस वंदे मातरम ने, ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बहुत बल दिया था। वंदे मातरम वह गीत है, जिसके कारण सदियों से सोया हुआ देश जाग उठा था। वह

गीत आधी शताब्दी तक स्वतंत्रता-संग्राम का प्रेरक बना रहा। वह गीत जिसकी आवाज इंगलिश चैनल पार कर, ब्रिटिश पार्लियामेंट तक पहुंच गयीथी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, अप्रैल 1906 में ब्रिटिश सरकार ने सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम् का नारा लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। लोगों ने खुलेआम इस आदेश की अवहेलना की। इसी तरह, उस्मानिया विश्वविद्यालय में भी वंदे मातरम का नारा लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस आदेश का विरोध करने के लिए श्री राम चंद्र नाम के एक छात्र को जेल में डाल दिया गया था। वंदे मातरम् केवल बंगाल तक सीमित नहीं था। इसका इस्तेमाल पूर्व से पश्चिम तक होता था, और सिर्फ भारत में ही नहीं, भारत के बाहर भी लोग इसका जाप करते थे।

बंगाल पर मोदी का भावुक संदेश! 2026 से पहले संसद में 'बंग-स्तुति'

समर न्यूज । नई दिल्ली

2026 में बंगाल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में दिखाई दी 'बंग-स्तुति'। सोमवार को संसद में 'वंदे मातरम्' पर विशेष चर्चा शुरू हुई, और अपने पूरे भाषण में प्रधानमंत्री ने बंगाल और बांग्ला संस्कृति को प्रमुखता दी।

मोदी ने एक तरफ बंगाल विभाजन के समय बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के योगदान का उल्लेख किया, वहीं दूसरी ओर मास्टरदा सूर्य सेन, खुदीराम बोस, जैसे अनेक क्रांतिकारियों का जिक्र किया। मोदी ने कहा— "अंग्रेजों का हथियार था बंगाल, और उन्होंने विभाजन की राजनीति सबसे पहले यहीं शुरू की। लेकिन बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अंग्रेजों को ईंट का जवाब पत्थर से दिया।"

इस तरह प्रधानमंत्री के भाषण में बंगाल और बांग्ला अस्मिता का उल्लेख बढ़ा-चढ़ा कर दिखा। संसद सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने 'वंदे मातरम्' पर बोलते हुए गीत का इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका बताई। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अंग्रेजों के खिलाफ बंकिमचंद्र कैसे खड़े हुए।

मोदी ने कहा—"अंग्रेज जानते थे कि अगर बंगाल विभाजित हो गया तो आंदोलन भी टूट जाएगा। इसी वजह से विभाजन की राजनीति यहीं से शुरू की गई।"इसी संदर्भ में उन्होंने बंग-भंग (बंगाल विभाजन) का उल्लेख भी किया। प्रधानमंत्री ने बताया- "बंग-भंग के समय हर दिन 'वंदे मातरम्' के नारे लगाकर प्रभात फेरी निकाली जाती थी। बंगाल की गलियों में यह गीत गूंजता था और लोगों में एकता की शक्ति जगाता था।" इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में मास्टरदा सूर्य सेन और खुदीराम बोस के योगदान की भी चर्चा की, जिसे बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषकर इसलिए कि लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस केंद्र की भाजपा सरकार को 'बंगाल विरोधी' बता कर हमला करती रही है। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी भी कई बार इस मुद्दे पर सीधे मोदी और अमित शाह पर हमला कर चुके हैं।

वंदे मातरम् हमारी आत्मा, बीजेपी ने इसे चुनावी हथियार बना दिया : प्रियंका गांधी

समर न्यूज | नई दिल्ली

प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस पर अपना भाषण दिया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रगीत भारत की आत्मा का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के कारण इस मुद्दे को बहस के लिए लाने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम ने भारतीयों को एकजुट किया। भाजपा SIR से पहले राष्ट्रगीत पर बहस चाहती थी। यह लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। सरकार वंदे मातरम पर बहस चाहती थी क्योंकि बंगाल में चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। गांधी वाड्रा ने कहा हमारे राष्ट्रीय गीत ने पर चर्चा हो रही है। जो एक भावना के ऊपर है। जब हम वंदे मातरम् का नाम लेते हैं। तो वही भावना उजागर होती है। स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाता है। उसका साहस, बल, नैतिकता याद

दिलाता है। ब्रिटिश साम्राज्य इसके सामने झुका। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा- हमारे राष्ट्रीय गीत ने पर चर्चा हो रही है। जो एक भावना के ऊपर है। जब हम वंदे मातरम् का नाम लेते हैं। तो वही भावना उजागर होती है। आज इस पर बहस की चर्चा क्यों हो रही है। जनता का विश्वास, दायित्व उनके प्रति हमारी जिम्मेदारी हम कैसे निर्वाहन कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा राष्ट्रगीत पर क्यों बहस कर रहे हैं। बहस का कारण- बंगाल का चुनाव। दूसरा मकसद- जिन्होंने स्वतंत्रता की आजादी लड़ी, सरकार उन पर नए आरोप लादना चाहती है।

प्रियंका गांधी ने कहा- पीएम का भाषण अच्छा लेकिन थोड़ा लंबा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा आज इस चर्चा को पीएम ने शुरू किया। भाषण दिया कहने में कोई झिझक नहीं है कि भाषण अच्छा देते हैं, बस थोड़ा लंबा है। बस एक कमजोरी है उनकी- तथ्यों के मामले में कमजोर हो जाते हैं। मैं तो जनता की प्रतिनिधि हूं कलाकार नहीं हूं। उन्होंने आगे कहा कि तथ्यों को तथ्य के रूप में सदन में रखना चाहती हूं। उदाहरण देते हुए कहा- वंदे मातरम् के जो सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम ने कहा 1896 में रवींद्र नाथ ने ये एक अधिवेशन में ये गीत गाया। ये अधिवेशन कांग्रेस का था। न कि आरएसस, या हिंदू महासभा का। वंदे मातरम् की क्रोनॉलॉजी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने पहले दो अंतरे लिखे। 1882 में उपन्यास आनंदमठ प्रकाशित किया, इसमें चार अंतरे और जोड़े गए। प्रियंका गांधी ने कहा कि 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने यह गीत गाया। 1905 में रवींद्रनाथ टैगोर ये गीत गाते हुए ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई में उतरे। ये गीत मातृभूमि के लिए मर मिटने की भावना को जगाता है। उनके तीन पहले नेताजी ने नेहरू को एक चिट्ठी लिखी थी। इसका पीएम मोदी ने जिक्र नहीं किया।

• सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने बताया गर्व का क्षण

दलित नेता और आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने वंदे मातरम पर चर्चा को गर्व का क्षण बताया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस पर सकारात्मक चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि ऐसी कई बातें हैं जिन पर चर्चा होनी चाहिए और मैं भी कई बातों पर चर्चा की माँग कर रहा हूँ। यह हमारा राष्ट्रीय गीत है और जब हम इसे गाते हैं तो हमें गर्व होता है... हम क्रांतिकारियों का सम्मान करने वाले लोग हैं। यह गर्व का क्षण है और इस पर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए।

• नेहरू के समय में वंदे मातरम से कुछ पंक्तियाँ हटाई

वंदे मातरम चर्चा पर, भाजपा सांसद अरुण गोविल ने कहा कि यह राष्ट्रीय गीत के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है और नेहरू के समय में देवी-देवताओं को समर्पित कुछ पंक्तियाँ इसमें से हटा दी गई थीं। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम पर कई बार सवाल उठाए गए हैं, इसलिए इस मुद्दे पर बहस ज़रूरी थी। दरअसल, यह कोई बहस नहीं, बल्कि वंदे मातरम के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भाजपा का प्रयास है।

• केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रियंका से सवाल पूछा

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रियंका गांधी के भाषण के अंशों पर सवाल किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस सांसद को ये सिद्ध करना चाहिए कि 'बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1875 में वंदे मातरम के केवल दो स्टैंजा लिखे और सात साल के बाद 1882 में बाकी पांच स्टैंजा लिखे' ये तथ्य इन्होंने कहां से लिए हैं।

• RJD सांसद अभय सिन्हा ने भी चर्चा में भाग लिया

बिहार की औरंगाबाद लोकसभा सीट से निर्वाचित राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के सांसद अभय कुमार सिन्हा ने भी वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती पर आज भी स्वतंत्रता आंदोलन की धड़कनों को महसूस किया जा सकता है। अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आज लोकसभा में दिया गया भाषण एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ बन गया है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। वंदे मातरम एक ऊर्जा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह एक एलर्जी है।

Good DAY

समर न्यूज | लुधियाना

हर दिन की शुरुआत अपने आप में एक अवसर होती है और यही अवसर उसे 'शुभ दिन' बना देता है। अच्छा दिन केवल सुखद घटनाओं से नहीं बनता, बल्कि हमारी सोच, प्रयास और व्यवहार से आकार लेता है। सकारात्मक दृष्टिकोण, समय का सम्मान और दूसरों के प्रति विनम्रता ये तीन बातें किसी भी दिन को सार्थक बना सकती हैं। सुबह की छोटी-सी मुस्कान, परिवार के साथ कुछ पल या किसी जरूरतमंद की मदद, ये साधारण क्षण हमारे दिन को असाधारण बना देते हैं। एक शुभ दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन हर सुबह नई शुरुआत देता है और हमें अपनी क्षमताओं का उपयोग करने का अवसर मिलता है। समाज में सद्भाव, लोगों के लिए सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना, अच्छे दिन की पहचान है। यदि हम मिलकर बेहतर निर्णय लें, छोटी खुशियों को महत्व दें और हर व्यक्ति के लिए सम्मान का भाव रखें, तो हर सुबह हमारे लिए 'शुभ दिन' बन सकती है।

शैफी वाधवा अरोड़ा
मोटिवेशनल स्पीकर !एजुकेशनिस्ट ! एंटरप्रेन्योर

हावड़ा में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का घर विरासत भवन

समर न्यूज | हावड़ा

हावड़ा में वह घर, जहां बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने डिप्टी मजिस्ट्रेट और डिप्टी कलेक्टर के रूप में कार्य करते हुए निवास किया था, अब आधिकारिक रूप से विरासत भवनके तौर परघोषित है। यह घर पंचाननतला रोड पर नंबर 218 स्थित है। इसके साथ लगे 17 कट्ठा क्षेत्र के पार्क, जिसे 'बंकिम पार्क' कहा जाता है, को भी विकास अनुदान के लिए हावड़ा नगर निगम के 'डिमांड रजिस्टर' में शामिल कर लिया गया है। बंकिम चंद्र, जिन्होंने भारत का राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' लिखा, 1881 से 1886 के बीच हावड़ा में कार्यरत और निवासरत

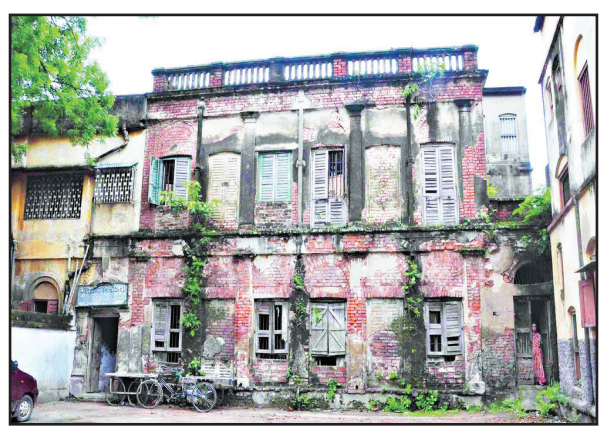

हावड़ा हाउस। -समर न्यूज

थे। हावड़ा के तत्कालीनमेयर रथिन चक्रवर्ती ने कहाथा कि साल 2015 में हमने 218 पंचाननतला रोड को विरासत भवन का दर्जा दियाथा। इसके साथ लगे पार्क का भी विकास कियाजाना थाऔर इस परियोजना के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गएथे। यहां बंकिम चंद्र से संबंधित एक अभिलेखागार, लाइब्रेरी और अन्य सुविधाएं बनाने की योजना थी। रथिनने बताया कि पार्क में बंकिम चंद्र की कांस्य प्रतिमा स्थापित की जानी थी, जबकि विरासत भवन में कॉन्फ्रेंस हॉल, गेस्ट हाउस और प्रस्तावित अभिलेखागार जैसी सुविधाओं का प्लान भी शामिल था। बंकिम चंद्र ने 1881 में अपने प्रशासनिक कार्यकाल की शुरुआत में प्रतिदिन कोलकाता से हावड़ा अपने कार्यालय आते-जाते थे, बाद में उन्होंने 218 पंचाननतला रोड स्थित किराए के घर में रहने का निर्णय लिया। 1883 में हावड़ा में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान भी वे इसी घर में रहे और यहीं 'मुचिराम गुड़ेर जीवनचरित' की रचना की।

पेज 3 एंकर स्टोरी

'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिमचंद्र के घर की दुर्दशा, 150वीं वर्षगांठ पर भी ताले लटके, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पर उठे सवाल

वाह ममता सरकार! जहां रचा 'वंदे मातरम्', वही धरोहर आज उपेक्षित

समर न्यूज | कोलकाता

सुफलाम मलयज शीतलाम वंदे मातरम् ये पंक्तियाँ कभी आज़ादी के दीवानों की रगों में ऐसा जोश भर देती थीं कि वे देश के लिए प्राण देने को तैयार हो जाते थे। स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् कोई साधारण गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक था। इस अमर गीत के लेखक बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को भारतीय साहित्य और राष्ट्रवाद की आधारशिला माना जाता है। परंतु यह कटु सत्य है कि जिस घर में यह साहित्य–सम्राट संसार से विदा हुए, वह आज तालों में जकड़ा, टूटी दीवारों में सिसकता और सरकारी बेरुखी का उदाहरण बना खड़ा है। कोलकाता के 5, प्रताप चटर्जी लेन पर स्थित यह भवन, लाखों भारतीयों के लिए स्मरण का स्थल है, जहां आज भी "वंदे मातरम्" की प्रतिध्वनि महसूस होती है। लेकिन विडंबना यह कि यह ऐतिहासिक स्थान आज ताले में बंद, रखरखाव से वंचित और उपेक्षा की धूल में दफन पड़ा है।

▪ बंकिमचंद्र का शुरुआती जीवन...

27 जून 1838 को बंगाल के कंथालपारा में जन्मे बंकिमचंद्र एक शिक्षित ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता जीवचंद्र चट्टोपाध्याय सरकारी सेवा में ऊंचे पद पर रहे और बाद में मिदनापुर के डिप्टी कलेक्टर बने। बचपन से ही तेज बुद्धि और अध्ययन-प्रिय बंकिम ने परिवार से मिले संस्कारों को अपनी साहित्यिक और वैचारिक चेतना में ढाला, जो आगे चलकर उनके राष्ट्रवादी लेखन की नींव बनी।

▪ शिक्षा और प्रशासनिक करियर...

उन्होंने हुगली मोहसिन कॉलेज से पढ़ाई की, 1858 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और कानून की परीक्षा भी पास की। सरकारी नौकरी मिलते ही वे डिप्टी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए, लेकिन साहित्य उनकी आत्मा बन चुका था। नौकरी उनके लिए केवल रोज़गार नहीं, समाज के बदलाव और आम लोगों की समझ को गढ़ने का माध्यम थी।

▪ परिवार और निजी जीवन...

11 वर्ष की आयु में बाल विवाह की प्रथा के चलते उनका विवाह एक पांच वर्षीय बालिका से हुआ। 22 वर्ष की उम्र में पत्नी का निधन हो गया। बाद में उन्होंने राजलक्ष्मी देवी से विवाह किया और तीन बेटियां हुईं। निजी संघर्षों और पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के बीच भी उन्होंने लेखन को कभी विराम नहीं दिया।

▪ साहित्यिक योगदान...

ईश्वरचंद्र गुप्ता से प्रेरणा पाकर उन्होंने साहित्यिक यात्रा शुरू की। 1865 में प्रकाशित 'दुर्गेशनंदिनी' ने बंगाली उपन्यासों की दिशा बदल दी। इसके बाद कपलकुंडला, कृष्णकांतर विल, मृणालिनी, सीताराम, राजनी जैसी कृतियों ने उन्हें ख्याति दिलाई। उनकी रचना 'आनंदमठ' भारतीय राष्ट्रवाद की पहचान बनी, और इसी कृति से निकला 'वंदे मातरम्' गीत पूरे देश में आज़ाद सोच का मंत्र बन गया। उनके साहित्य में समाज सुधार, राष्ट्रवाद, स्त्री-स्वतंत्रता और धर्म की समन्वयकारी दृष्टि स्पष्ट नज़र आती है।

▪ 'वंदे मातरम्' का महत्व...

यह गीत महज़ शब्दों का समुच्चय नहीं था, बल्कि वह आवाज़ था जिसने लाखों भारतीयों में स्वतंत्रता की आग जला दी। 1882 में प्रकाशित होने के बाद यह इतना प्रभावशाली हुआ कि 1937 में इसे राष्ट्रीय गीत माना गया। क्रांतिकारी इसे अपने संघर्ष और मृत्यु–पथ तक गाते रहे। आज भी इसके सुर देश की आत्मा को जागृत कर देते हैं। ऐसे गीत की रचना करने वाले साहित्य–ध्वजधारी के घर की अनदेखी, उस भावना का अपमान है जिसने भारत को संबल दिया।

▪ जीवन के अंतिम वर्ष और उपेक्षित ऐतिहासिक आवास...

अपने जीवन के अंतिम 6–7 वर्ष बंकिमचंद्र ने कोलकाता के इसी घर में बिताए और 8 अप्रैल 1894 को यहीं उनका निधन हुआ। यह भवन केवल ईंट–पत्थर नहीं, बल्कि उनकी सोच और साहित्यिक विरासत की जीवित स्मृति है। यह वही कालखंड था जब भारत में राष्ट्रवाद आकार ले रहा था और यही घर उस चेतना का साक्षी है। इसका संरक्षण केवल एक भवन नहीं, बल्कि एक विचार, एक परंपरा और राष्ट्रीय धरोहर का संरक्षण है।

▪ सरकारी अधिग्रहण, पुस्तकालय और उपेक्षा की कहानी...

करीब 25 साल पहले वाममोर्चा सरकार ने इस घर को अधिग्रहित कर इसे पुस्तकालय बनाने की घोषणा की। 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने इसका उद्घाटन किया। प्रारंभिक समय में इसे साहित्य प्रेमियों का केंद्र बनाने की योजना थी, परंतु धीरे-धीरे यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। अब हालात यह हैं कि घर अधिकतर समय बंद रहता है, दीवारें जर्जर, पुस्तकालय निष्क्रिय और परिसर निर्जन।

▪ वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ और बंद पड़ा परिसर

परिस्थिति तब और शर्मनाक दिखी, जब वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर भी यह परिसर बंद मिला। भाजपानेता सुवेंदु अधिकारी माल्यार्पण करने पहुंचे तो ताला लटकता मिला। स्थानीय लोग ग्रिल पर कपड़े सुखाते दिखे और एक कार्यकर्ता दीवार फांदकर प्रतिमा पर माला चढ़ाने को मजबूर हुआ। यह दृश्य केवल उपेक्षा नहीं, हमारी सांस्कृतिक संवेदनाओं पर कठोर चोट है। वंशजों की पीड़ा और केंद्र से अपेक्षा बंकिमचंद्र की पाँचवीं पीढ़ी के सदस्य सजल चटर्जी और सुमित्रा चटर्जी ने भी राज्य की उदासीनता पर रोष जताया। उनका कहना है कि महीनों तक यह भवन बंद रहता है, रखरखाव नहीं होता, और सरकार केवल दिखावा कर रही है। वे चाहते हैं कि इसे केंद्र सरकार अपने संरक्षण में ले।

हरियाणा में सरकारी डॉक्टरों की दो दिन की हड़ताल

कई जिलों में स्वास्थ्य सेवाएं हुई प्रभावित, ओपीडी सेवाएं हुई ठप, पंचकूला, सोनीपत और गुरुग्राम में मरीजों को हुई सबसे ज्यादा परेशानी

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा में सरकारी डॉक्टरों की दो दिवसीय हड़ताल सोमवार से शुरू होते ही कई जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका सीधा असर देखने को मिला। डायरेक्ट एसएमओ भर्ती, एसीपी सहित विभिन्न मांगों को लेकर हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन द्वारा बुलाई गई इस हड़ताल ने मरीजों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में ओपीडी से लेकर डायग्नोस्टिक सेवाओं तक संचालन बाधित रहा, जबकि कई जगह प्रशासन ने अतिरिक्त इंतजाम कर स्थिति संभालने का प्रयास किया। पंचकूला सिविल अस्पताल में सुबह 9 बजे ओपीडी तो शुरू हो गई, लेकिन कई डॉक्टर अनुपस्थित रहे। इससे मरीजों की लंबी कतारें बन गईं। मुलाना मेडिकल कॉलेज से भेजे

फोटो,1 इलाज के लिए लाइन में लगे मरीज। - समर न्यूज

गए दो डॉक्टरों की मदद से मेडिसिन ओपीडी किसी तरह चल पाई। सोनीपत और बहादुरगढ़ में भी कई ओपीडी कक्ष बंद नजर आए। बहादुरगढ़ की ममता अपने बेटे का एक्स-रे कराने पहुंचीं, लेकिन डॉक्टर न होने के कारण उन्हें निराश लौटना पड़ा। इसके विपरीत, कुछ जिलों में प्रशासन ने हड़ताल के प्रभाव को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया। यमुनानगर में सीएमओ डॉ. जितेंद्र ने दावा किया कि हड़ताल का कोई असर नहीं पड़ा। मुलाना मेडिकल कॉलेज से बुलाए गए डॉक्टरों की मदद से ओपीडी, इमरजेंसी, ओटी और पोस्टमॉर्टम सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। कुरुक्षेत्र और कैथल में भी लगभग यही स्थिति रही। कैथल में 50 डॉक्टर हड़ताल पर होने के बावजूद कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज की टीम ने अस्पताल की सभी सेवाएं सुचारू रखीं। फतेहाबाद में हड़ताल का आंशिक असर देखने को मिला। जिले में 70 में से 67 डॉक्टर हड़ताल पर रहे, लेकिन अग्रोहा मेडिकल कॉलेज से बुलाए गए 10 डॉक्टरों ने ओपीडी और इमरजेंसी संभाली। हालांकि, चर्मरोग तथा मनोरोग विभाग की ओपीडी प्रभावित रही। हिसार में रोजाना 1600 से 2000 मरीज ओपीडी में आते हैं, इसलिए वहां असर अधिक देखा गया। केवल 22 डॉक्टर ड्यूटी पर मौजूद थे, लेकिन आयुष चिकित्सकों और अग्रोहा मेडिकल कॉलेज की टीम की मदद से सेवाएं जारी रहीं। गुरुग्राम में हड़ताल का सबसे अधिक असर दिखा, जहां 70 प्रतिशत सरकारी डॉक्टर हड़ताल पर रहे। जिला अस्पताल में प्रतिदिन 2,000 से 2,500 मरीज ओपीडी में आते हैं, ऐसे में सोमवार को भीड़ और बढ़ गई। पीएमओ डॉ. लोकवीर ने बताया कि रात में ही सरकार के निर्देश मिल गए थे और आयुष व अन्य विभागों के डॉक्टरों को तैनात कर दिया गया। ओपीडी, इमरजेंसी, लेबर रूम और अन्य सेवाएं इनकी मदद से चलती रहीं। झज्जर में 201 में से 130 डॉक्टर हड़ताल पर रहे, लेकिन गंभीर स्थिति से बचने के लिए 40 अतिरिक्त डॉक्टर तैनात किए गए। सीएमओ डॉ. मंजू कादियान के अनुसार, ठंड बढ़ने से मरीजों की संख्या कम रही, जिससे व्यवस्था बनाए रखने में राहत मिली। इस बीच, एसोसिएशन के राज्य प्रधान डॉ. राजेश ख्यालिया ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी न होने पर 10 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। प्रशासन ने वैकल्पिक इंतजामों से सेवाएं चलाने की कोशिशें तेज कर दी हैं, लेकिन यदि हड़ताल लंबी चली तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

अमेट ने किया निशुल्क योग, आमजन को मिल रहा लाभ

अमिता मरवाह टीम कई क्षेत्रों में कर रही योग मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित

समर न्यूज | पंचकूला

अमिता मरवाह बच्चों को योग करवाती हुई। - समर न्यूज

शहर में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से (अमिता मरवाह एक्टिविटी टीम) द्वारा निःशुल्क योग और ध्यान सत्रों का आयोजन जारी है।

ये सत्र आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का नेतृत्व अमिता मरवाह कर रही हैं, जो प्राणिक हीलिंग, मनोचिकित्सा और योग शिक्षण में प्रमाणित विशेषज्ञ हैं। उन्होंने आयुष योग के माध्यम से योग गुरु कोर्स भी पूरा किया है।

अमेट पिछले 13 वर्षों से समुदाय में विभिन्न शिविरों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता आ रहा है।

संस्था की कोशिश है कि समग्र कल्याण को हर वर्ग तक पहुंचाया जाए। इसके तहत इंदिरा कॉलोनी, सकेतड़ी, मोगीनंद और खड़क मंगोली समेत कई क्षेत्रों में एक सप्ताह के निशुल्क शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जिनमें प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन, आध्यात्मिक उत्थान और मानसिक शांति के सरल उपाय सिखाए जाते हैं।

अमेट ने समुदाय के सभी लोगों से अपील की है कि वे इन निशुल्क सत्रों का लाभ उठाएं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं। आगामी शिविर के लिए पंजीकरण या अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति फोन के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं या फिर ईमेल amitamarwah2009@gmail.com पर संपर्क किया जा सकता है। संस्था की टीम लोगों को समग्र स्वास्थ्य की दिशा में मार्गदर्शन देने के लिए उत्सुक है।

युवाओं को मिलेगा रोजगार: मुख्यमंत्री नायब सैनी

कांग्रेस पार्टी वर्तमान में केवल झूठे प्रचार और वोट चोरी के आरोपों में लगी हुई है

समर न्यूज | कैथल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आर.के.एस.डी. कॉलेज, कैथल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान युवाओं के लिए बड़ी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह भर्ती पूरी तरह मेरिट और पारदर्शिता के आधार पर होगी, जिससे किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा। सैनी ने कहा कि बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी देने वाली भाजपा सरकार आमजन के हितों की सच्ची रक्षक है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संसद में इस पहल का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी वर्तमान में केवल झूठे प्रचार और

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। - समर न्यूज

वोट चोरी के आरोपों में लगी हुई है। सैनी ने बताया कि कांग्रेस ने हाल ही में ब्राजील की महिला का फोटो दिखाकर भ्रम फैलाने का प्रयास किया, लेकिन महिला ने स्वयं यह स्पष्ट किया कि वह भारत कभी आई ही नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राज्य में सड़कों की मरम्मत का भी अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान टूट चुकी सभी सड़कें इस साल के अंत तक ठीक कर दी जाएंगी। इसके लिए छह विभागों के बीच समन्वय और तालमेल बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के संस्कार और कार्यशैली पूरे देश में सराही जाती है। उन्होंने बताया कि 20 और 21 दिसंबर को राज्य के सभी जिलों में कार्यकारिणी की बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर चर्चा होगी।

26 और 27 दिसंबर को मंडल स्तर की बैठकें होंगी, उसके बाद विधानसभा स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा प्रदेश स्तर पर दो बड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें केंद्र के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

बेघरों के लिए रैन बसेरे की शुरुआत

समर न्यूज | अंबाला

सर्दियों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए अंबाला शहर में बेघर एवं जरूरतमंद लोगों के लिए नया रैन बसेरा शुरू किया गया है। प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से तैयार किए गए इस रैन बसेरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति ठंडी रातों में सड़क या फुटपाथ पर सोने को मजबूर न हो। रैन बसेरे में जरूरतमंद लोगों के लिए गर्म बिस्तर, कंबल और रात के भोजन की व्यवस्था की गई है, ताकि वे सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में रुक सकें। रैन बसेरे का सोमवार को विधिवत शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री असीम गोयल के प्रतिनिधि रितेश गोयल ने किया।

उद्घाटन के दौरान रितेश गोयल ने कहा कि सर्द मौसम में बेघरों को आश्रय देना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से कई जरूरतमंदों को राहत मिलेगी।

महेंद्रगढ़ में 5.2 डिग्री पहुंचा पारा, नारनौल सबसे ठंडा शहर

नारनौल, महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी दादरी और हिसार में आज और कल यलो अलर्ट जारी

समर न्यूज | चंडीगढ़

महेंद्रगढ़, जिला इन दिनों तीखी ठंड की चपेट में है। नारनौल लगातार चौथे दिन हरियाणा का सबसे ठंडा शहर बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, रविवार को नारनौल में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से लगभग 3.3 डिग्री कम है।

वहीं महेंद्रगढ़ में तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जिससे शीतलहर का असर और बढ़ गया है। दिन के तापमान में भी गिरावट देखने को मिली। शनिवार को नारनौल में अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औसत से 2.4 डिग्री कम था। महेंद्रगढ़ का अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिन और रात के तापमान में बढ़ते अंतर ने आमजन को ठिठुरने

धुंध की तस्वीर - समर न्यूज

पर मजबूर कर दिया है। खासकर सुबह और देर शाम सर्दी की तीव्रता चरम पर रहती है।

मौसम विभाग ने नारनौल, महेंद्रगढ़, भिवानी, चरखी दादरी और हिसार में आज और कल शीतलहर का यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी हवाएं तापमान को और नीचे ला सकती हैं, जिससे अगले कुछ दिनों में ठंड और बढ़ने की आशंका है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस दौरान हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है।

सुबह दृश्यता कम होने से सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ सकता है। कड़ाके की ठंड से लोगों की दिनचर्या पर खासा असर पड़ा है। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, वहीं बाजारों में भी दिन चढ़ने तक रौनक नहीं दिखाई देती। शाम ढलते ही तापमान तेजी से नीचे गिर जाता है, जिससे गर्म कपड़ों, हीटर और गीजर की मांग बढ़ गई है। ठंड और कोहरे ने किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। हालांकि अभी पाला गिरने की संभावना कम है, फिर भी सब्जियों और संवेदनशील फसलों को बचाने के लिए किसान सतर्क हो गए हैं। मौसम विभाग ने आमजन और वाहन चालकों को अगले कुछ दिनों तक विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

डीजीपी ओपी सिंह का नया सुरक्षा फॉर्मूला, साइबर ठगी से बचाएगा PVR मॉडल

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने साइबर सुरक्षा पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में नागरिकों के लिए नया सुरक्षा फॉर्मूला पेश किया। इसे उन्होंने पीवीआर Pause, Verify, Report मॉडल नाम दिया, जो ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल स्कैम से बचने का आसान और प्रभावी तरीका है। डीजीपी ने कहा कि आज के साइबर अपराधी तकनीक से ज्यादा मानव भावनाओं को हैक करते हैं और ठग अक्सर डर, जल्दबाजी, भरोसा, जिज्ञासा, लालच और लापरवाही जैसे ट्रिगर्स का फायदा उठाकर लोगों को फंसाते हैं। पीवीआर मॉडल तीन सरल चरणों में काम करता है। सबसे पहले रुकिए, स्कैमर आपकी घबराहट पर निर्भर करता है, बस दो सेकंड रुकें और उनका खेल खत्म हो जाएगा। दूसरे चरण में जांचिए, किसी नंबर, लिंक या मैसेज की सच्चाई जरूर जांचें क्योंकि कोई भी असली संस्था भागदौड़ में निजी जानकारी नहीं

हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह - समर न्यूज

मांगती। तीसरे चरण में सूचित कीजिए, यदि किसी संदेश या कॉल में शक हो तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें, पुलिस मिनटों में पैसे फ्रीज कर सकती है। डीजीपी ने बताया कि यह मॉडल तत्काल अपनाया जा सकता है और नागरिकों को डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने में मदद करेगा। हरियाणा में चौबीसों घंटे 1930 साइबर हेल्पलाइन, जिला-स्तरीय साइबर पुलिस स्टेशन, विशेष फॉरेंसिक टीमें और एफआईआर के बिना रिफंड सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ये सभी उपाय नागरिकों को तुरंत सहायता देने के लिए तैयार हैं और पीवीआर मॉडल के साथ मिलकर ऑनलाइन ठगी के मामलों को काफी हद तक रोक सकते हैं।

ढाकल गांव में गैस सिलेंडर फटने से लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

समर न्यूज | जींद

नरवाना के ढाकल गांव में सोमवार सुबह गैस सिलेंडर विस्फोट से एक घर में भयंकर आग लग गई। हादसा उस समय हुआ जब घर की महिला चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। सिलेंडर के पास अचानक आग भड़कने से पूरे घर में लपटें फैल गईं। परिवार के सदस्यों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, जिससे बड़ी जनहानि टल गई।

आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते घर में रखे लाखों रुपए के सामान को चंद मिनटों में राख कर दिया। आग बुझने के बाद मकान की छत भी क्षतिग्रस्त होकर गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की। इसके बाद सूचना मिलने पर प्रशासन और दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और आग को नियंत्रित किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा अचानक हुए सिलेंडर ब्लास्ट के कारण हुआ, जिसके बाद घर में अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित परिवार को तुरंत मुआवजा और आर्थिक सहायता देने की मांग की है, ताकि वे दोबारा अपना घर-परिवार संभाल सकें।

हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा कैबिनेट की ताजा बैठक में राज्य की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक मामलों पर चर्चा के साथ ही शीतकालीन सत्र की तारीखों पर अंतिम निर्णय लिया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद स्पष्ट किया गया कि हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से शुरू होगा और यह सत्र 18, 19 और 22 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से सत्र के एजेंडे, विधायी कार्य सूची और संबंधित तैयारियों पर विचार किया गया। हालांकि सत्र की अंतिम अवधि और विस्तृत कार्यक्रम का निर्णय अब बीएसी (बैजिंग अफेयर्स कमेटी) में लिया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सत्र में प्रस्तुत प्रस्ताव और विधायी कार्य सुचारू रूप से और निर्धारित समय पर सम्पन्न हो सकें।

हरियाणा सरकार की कैबिनेट बैठक में यह भी तय किया गया कि शीतकालीन सत्र में विधानसभा सदस्यों को सत्र के दौरान सभी

कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी। - समर न्यूज

सुविधाएं और व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इससे विधायक बिना किसी बाधा के अपने क्षेत्रों के मुद्दों और राज्य हित से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा कर सकेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि शीतकालीन सत्र में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है, जिसमें विकास कार्य, बजट प्रस्ताव, कानून-व्यवस्था और राज्य की सामाजिक-आर्थिक योजनाओं पर निर्णय शामिल हो सकते हैं। राज्य के विधानसभा सचिवालय ने भी सभी विभागों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सत्र के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज, रिपोर्ट और तैयारियों को समय पर सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, सदन में पारदर्शिता और नियमों के पालन के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। इस बैठक के बाद यह साफ हो गया है कि हरियाणा विधानसभा का शीतकालीन सत्र 18 दिसंबर से शुरू होकर 22 दिसंबर तक चलेगा, और राज्य सरकार की योजनाओं और कानून निर्माण के महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

खुशी नौल्था की 14 वर्षीय अनु ने 100 मीटर दौड़ 12.73 सेकंड में की पूरी

अनु ने नेशनल एथलेटिक्स में जीता सिल्वर मेडल

समर न्यूज | पानीपत

जिले के गांव नौल्था की 14 वर्षीय अनु ने मध्य प्रदेश में आयोजित नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

अनु ने यह उपलब्धि 12.73 सेकंड में हासिल की, जिससे पूरे गांव और जिले में खुशी की लहर दौड़ गई। इस प्रतियोगिता में देशभर की 64 प्रतिभागी लड़कियों ने हिस्सा लिया था। अनु इस चैम्पियनशिप में पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के इरादे से उतरी थीं, लेकिन पिछला रिकॉर्ड दोहराए जाने के कारण वह दूसरे स्थान पर रहीं।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में वह एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करना चाहती हैं।

अनु ने अपनी जीत का श्रेय अपने

अनु अपने परिजनों के साथ खुशी जाहिर करती हुई। - समर न्यूज

पिता, मां और कोच को दिया। उनका कहना है कि लड़कियां लड़कों से कम नहीं होतीं और अगर उन्हें परिवार का समर्थन मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। अनु पहले भी जिला और राज्य स्तर पर कई पदक जीत चुकी हैं। अनु के पिता कृष्णा खुद एक समय के कुश्ती खिलाड़ी रहे हैं। उन्हें खेल के दौरान चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें खेल छोड़ना पड़ा। लेकिन उन्होंने अपने सारे सपने अपनी बेटी में देखे। पिछले 13 साल तक उन्होंने ही अनु को प्रशिक्षण दिया, और अब उसे एक अच्छा कोच मिला है, जिसके साथ वह और मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में उनसे भी बेहतर खिलाड़ियों का सामना हुआ, इसलिए बेटी दूसरे स्थान पर रही, लेकिन भविष्य में वह बेहतर तैयारी के साथ गोल्ड मेडल जीतने का प्रयास करेगी।

अनु वर्तमान में अपने गांव के निजी स्कूल की आठवीं कक्षा की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि स्कूल की ओर से उन्हें पर्याप्त समर्थन मिल रहा है, जिससे वह पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बनाए रख पा रही हैं। हाल ही में स्कूल ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए सम्मानित भी किया।

कांग्रेस सांसद जयप्रकाश बोले, जजपा-इनेलो असल में भाजपा के लिए कर रही काम

समर न्यूज | हिसार

जननायक जनता पार्टी (जजपा) द्वारा जींद में आयोजित रैली पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने कहा कि हर पार्टी अपने स्थापना दिवस पर रैली आयोजित करती है। उन्होंने इनेलो और जजपा के बीच जारी प्रतिस्पर्धा का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों पार्टी के नेता अक्सर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहते हैं। जयप्रकाश ने हरियाणा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार पूरी तरह वोट चोरी पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इसी को लेकर 14 दिसंबर को महारैली आयोजित की जाएगी। कांग्रेस सांसद ने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी बड़े पैमाने पर वोट की हेराफेरी हुई थी।

सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि हरियाणा में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती में दूसरे राज्यों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी गई, जिससे राज्य

सांसद जयप्रकाश की फाइल फोटो - समर न्यूज

के युवाओं के साथ अन्याय हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्री न तो रोजगार, न महंगाई और न ही विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। जयप्रकाश ने बिजेंद्र सिंह के कांग्रेस में शामिल होने पर कहा कि उन्हें पार्टी के तौर-तरीकों को सीखने की जरूरत है। उन्होंने अभय सिंह चौटाला पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे हमेशा कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ बोलते रहे, जिसके कारण आज उनकी पार्टी लगभग शून्य हो गई है।

सिरसा में आढ़ती से 3 लाख की ठगी मामले में कंचन गिरफ्तार

समर न्यूज | सिरसा

पुलिस ने हनीट्रैप मामले में गिरोह की मुख्य सरगना कंचन को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। मामला सिरसा के धान मंडी इलाके के आढ़ती को फंसा कर 3 लाख रुपये हड़पने का है। इससे पहले पुलिस ने गिरोह की सदस्य सीमा उर्फ सिमरन को गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी कंचन, जो प्रेम नगर की रहने वाली है, को अग्रिम जमानत की तैयारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कंचन के दो दिन के रिमांड की मंजूरी भी हासिल कर ली है। रिमांड के दौरान अन्य आरोपियों और कई मामलों में महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। जांच में पता चला कि कंचन का असली नाम वीरपाल है। वह नेजाडेला कलां की रहने वाली है, तलाकशुदा और एक बच्चे की मां है। पुलिस के अनुसार, कंचन धनाढ्य लोगों को ब्लैकमेल करके उनसे धन ऐंठती थी। जानकारी के अनुसार, कंचन ने अपने मौसेरे भाई अशोक कुमार के खिलाफ शादी के दौरान पैसे को लेकर झगड़े के बाद थाने में झूठा दुष्कर्म मामला दर्ज कराया था। बाद में दोनों के बीच समझौता हुआ। पहले पति के खिलाफ की गई शिकायतों और महिलाओं एवं पुलिसकर्मियों से पहचान के बाद कंचन ने संगठित गिरोह बनाकर हनीट्रैप के जरिए लोगों को फंसाने की योजना शुरू की।

सदर थाना के एसआई जगदीश चंद और नायब रीडर विजय भी इस मामले में आरोपी पाए गए थे। पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में आने के बाद दोनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की गई। पुलिस गिरोह के एक अन्य सदस्य रमन की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। रमन ही लड़कियों को गिरोह में शामिल करता था।

संजौली मस्जिद विवाद पर दो संगठनों में तकरार तेज, कानूनी वैधता को लेकर दोनों पक्षों के दावे

संजू। शिमला
समर न्यूज

संजौली मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में अब बयानबाज़ी और तेज़ हो गई है। ऑल हिमाचल मुस्लिम ऑर्गनाइजेशन द्वारा हाल ही में किए गए दावों का हिंदू संघर्ष समिति ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समिति के नेता विजय शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मुस्लिम संगठन की ओर से प्रस्तुत किए गए तथ्य वास्तविकता से परे हैं। उनके अनुसार, प्रेसवार्ता में जिस तरह के दावे किए गए, वे "असत्य और गुमराह करने वाले" हैं।

विजय शर्मा ने आरोप लगाया कि संजौली मस्जिद मामले में हिमाचल प्रदेश सरकार "एक खास पक्ष की स्क्रिप्ट" को आगे बढ़ा रही है और स्थानीय मुस्लिम नेता उसी के अनुसार बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी इस मसले पर कई राजनीतिक नेता सक्रिय रहे हैं। शर्मा का कहना है कि अदालत से मुस्लिम पक्ष के विरुद्ध कई बार फ़ैसले आ चुके हैं, बावजूद इसके "बरगलाने वाले बयान" दिए जा रहे हैं।

दूसरी ओर, ऑल हिमाचल मुस्लिम ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष नजाकत अली हाशमी ने शिमला में प्रेसवार्ता कर अपनी स्थिति स्पष्ट की। हाशमी ने स्वीकार किया कि मस्जिद परिसर में निर्माण कार्य में कुछ प्रक्रियात्मक त्रुटियाँ अवश्य हुईं, लेकिन इसे "ग़ैरक़ानूनी निर्माण" कहना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष नगर निगम शिमला के आयुक्त से औपचारिक रूप से राहत मांगने जा रहा है।

संगठन की योजना है कि नगर निगम को आवेदन देकर निर्माण को नियमित (लीगल) करने की अनुमति प्राप्त की जाए। दोनों पक्षों के विरोधाभासी दावों के चलते संजौली मस्जिद का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। जहां हिंदू संघर्ष समिति इसे न्यायालय आदेशों और कानून व्यवस्था का उल्लंघन मान रही है, वहीं मुस्लिम संगठन का तर्क है कि तकनीकी खामियों को दूर करके मस्जिद को विधि-सम्मत कराया जा सकता है। अब निगाहें नगर निगम और अदालत में होने वाली आगामी कार्यवाही पर टिकी हैं।

कौशवी कैरोल ने एशिया-ओशेनिक चैंपियनशिप में जीता ब्रॉन्ज मेडल

समर न्यूज | शिमला

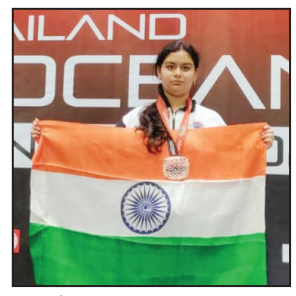

कौशवी कैरोल। - समर न्यूज

शिमला की प्रतिभाशाली खिलाड़ी और तारा हॉल स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा कौशवी कैरोल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर हिमाचल प्रदेश का परचम बुलंद किया है। थाईलैंड में आयोजित एशिया एंड ओशेनिक चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए उन्होंने ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया। उनके इस अभूतपूर्व प्रदर्शन ने न केवल परिवार और स्कूल, बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारत से कुल 55 खिलाड़ियों का चयन किया गया था, लेकिन हिमाचल प्रदेश से अकेली कौशवी कैरोल ही इस टीम का हिस्सा बनीं। कड़ी प्रतिस्पर्धा और कई चुनौतीपूर्ण मुकाबलों के बाद उन्होंने अपने दमदार खेल का परिचय देते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उनके प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के सामने किसी भी मंच पर सफलता हासिल करना संभव है।कौशवी की इस उपलब्धि से उनके स्कूल तारा हॉल में उत्साह और गर्व का माहौल है। स्कूल प्रबंधन ने उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि कौशवी ने अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा का नया स्रोत तैयार किया है। वहीं, स्थानीय लोगों और खेलप्रेमियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वे आगे भी देश और प्रदेश के लिए और अधिक पदक लेकर आएंगी।

जाइका परियोजना से किसानों को बड़ी राहत

धर्मवीर। मंडी
समर न्यूज

खेत में काम करती किसान। - समर न्यूज

किसानों को अब फसलों के साथ उगने वाले खरपतवारों और खेतों में नमी की कमी को लेकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। जाइका परियोजना (जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी) के तहत किसानों को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसमें 50 प्रतिशत उपदान पर मल्चिंग शीट उपलब्ध करवाई जा रही है। यह शीट खेतों की ऊपरी सतह पर बिछाई जाती है, जिससे मिट्टी में नमी लंबे समय तक बनी रहती है और खरपतवारों का उगना लगभग समाप्त हो जाता है।

मल्चिंग शीट पॉलीथीन से बनी एक मजबूत परत होती है, जिसे खेतों पर बिछाने के बाद किसान फसल को सुरक्षित और बेहतर तरीके से विकसित कर सकते हैं। सामान्य परिस्थितियों में खेतों में फसलों के साथ कई तरह के खरपतवार उग आते हैं, जिनकी सफाई में किसानों का काफी समय और धन खर्च होता है। लेकिन मल्चिंग शीट इस अतिरिक्त मेहनत को कम कर देती है, जिससे किसान अधिक ध्यान फसल उत्पादन और गुणवत्ता पर दे सकते हैं। जाइका परियोजना के अधिकारी स्वयं गांवों और खेतों में जाकर किसानों को इसके लाभ समझा रहे हैं और उन्हें शीट लगाने में हर तरह का सहयोग भी प्रदान कर रहे हैं।

धर्मशाला में भारत–दक्षिण अफ्रीका टी-20 मैच, एचपीटीडीसी ने पूरी की तैयारियां

धर्मशाला का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम। - समर न्यूज

राहूल। धर्मशाला
समर न्यूज

आगामी 14 दिसंबर को धर्मशाला के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले भारत–दक्षिण अफ्रीका टी-20 मुकाबले को लेकर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) पूरी तरह तैयार है। निगम प्रबंधन का कहना है कि इस वर्ष पर्यटकों को बीते साल की तुलना में बेहतर और उन्नत सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। क्रिकेट मैच के चलते हर वर्ष बड़ी संख्या में देश-विदेश से दर्शक धर्मशाला पहुंचते हैं, जिससे होटल कारोबार, स्थानीय व्यापार और पर्यटन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

एचपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि धर्मशाला विश्व के सबसे सुंदर क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल है और यहीं के प्राकृतिक सौंदर्य के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन लगातार यहां आयोजित किए जाते हैं। उनके अनुसार, ऐसे आयोजन न केवल खिलाड़ियों के लिए सुखद अनुभव होते हैं, बल्कि स्थानीय पर्यटन उद्योग के लिए भी नई संभावनाएं लेकर आते हैं।

पेंशनर ज्वाइंट फ्रंट ने सीएम से की मुलाकात

संजू। शिमला
समर न्यूज

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के साथ पेंशनर ज्वाइंट फ्रंट का प्रतिनिधिमंडल। - समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश पेंशनर ज्वाइंट फ्रंट के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से भेंट की। बैठक के दौरान संगठन के सदस्यों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को विस्तार से मुख्यमंत्री के सामने रखा। प्रतिनिधिमंडल की ओर से पेंशन पुनरीक्षण, चिकित्सा भत्ते, पुरानी पेंशन से जुड़े लंबित मामलों सहित कई प्रमुख मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर उठाया गया।

मुख्यमंत्री ने पेंशनरों की मांगो पर दिया आश्वासन

मुख्यमंत्री ने पेंशनरों की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि सरकार उनकी सभी मांगों पर सकारात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में पेंशनरों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और राज्य सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशनरों के लिए नीतिगत फैसलों पर गंभीरता से काम किया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान मुख्यमंत्री सुक्खू ने 17 दिसंबर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय पेंशनर दिवस कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति भी जताई। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर पेंशनरों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और समाधान की संभावनाओं पर चर्चा का अवसर मिलेगा।

हिमाचल प्रदेश पेंशनर ज्वाइंट फ्रंट के अध्यक्ष का कहना ये

हिमाचल प्रदेश पेंशनर ज्वाइंट फ्रंट के अध्यक्ष आत्मा राम शर्मा ने मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के साथ बेहद अच्छा और खुला संवाद हुआ। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पेंशनरों की मांगों को लेकर लगातार गंभीर हैं और संगठन को उम्मीद है कि जल्द ही उनकी सभी प्रमुख मांगों पर ठोस कदम उठाए जाएंगे। शर्मा ने यह भी जानकारी दी कि मुख्यमंत्री ने अप्रैल तक ज्वाइंट कंसल्टेटिव कमेटी के गठन का आश्वासन दिया है, जिससे पेंशनर से जुड़े मुद्दों को व्यवस्थित ढंग से हल करने की प्रक्रिया तेज़ होगी।

निजी स्कूलों के मेधावी छात्रों को लैपटॉप योजना से बाहर करना गलत

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज

जगजीत सिंह ठाकुर। - समर न्यूज

हिमाचल प्रदेश प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन का राज्य स्तरीय सम्मेलन हमीरपुर के हिम अकैडमी पब्लिक स्कूल, विकास नगर में आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के दस जिलों से आए निजी स्कूलों के संचालकों और प्रबंधकों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन ने प्रदेश सरकार की उन नीतियों पर आपत्ति जताई, जिनसे निजी स्कूलों और उनके विद्यार्थियों को प्रभावित होने की आशंका है।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह ठाकुर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को दी जाने वाली लैपटॉप योजना से निजी स्कूलों के छात्रों को बाहर रखना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी प्रदेश के ही नागरिक हैं और उन्हें सरकारी छात्रों की तरह ही समान अवसर मिलना चाहिए। इसलिए सरकार को इस निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग रखी कि कक्षा तीसरी, पांचवीं और आठवीं की वार्षिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं निजी स्कूलों में ही क्लस्टर स्तर पर जांचने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि संबद्धता के लिए विभाग या बोर्ड के पास जमा करवाए जाने वाले दस्तावेजों को बार-बार मांगे जाने की प्रक्रिया समाप्त की जानी चाहिए, ताकि स्कूलों को अनावश्यक परेशानी न हो। एक बार दस्तावेज जमा होने के बाद उन्हें पुनः प्रस्तुत करने की बाध्यता नहीं होनी चाहिए।

स्कूल वाहनों की फिटनेस वैधता अवधि को 15 वर्ष से बढ़ाकर 20 वर्ष करने की मांग भी बैठक में प्रमुख रूप से उठाई गई।

राजेंद्र राणा का आरोपः राहत राशि अब तक अधर में

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज

भाजपा प्रवक्ता और पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने सुजानपुर के मौजूदा विधायक पर आरोप लगाया है कि वे विधानसभा में जनहित के मुद्दों को नजरअंदाज कर केवल व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। राणा ने कहा कि चबूतरा क्षेत्र के आपदा प्रभावित परिवार अब भी राहत का इंतज़ार कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा सात लाख रुपये की घोषणा के बावजूद चार महीने बाद भी किसी परिवार को पूरी राशि नहीं मिली है। प्रभावितों को फिलहाल केवल 25-25 हजार रुपये और स्थानीय विधायक की ओर से पांच-पांच हजार रुपये की सहायता दी गई है, जिसे राणा ने अपर्याप्त बताया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं प्रभावित परिवारों से मिलकर सहायता कर रहे हैं और अपनी संस्था के माध्यम से 25 वर्षों से सामाजिक कार्य करते आ रहे हैं। सवाल उठाया कि समाजहित में कार्य करने वाली संस्था से विधायक को आपत्ति क्यों है। साथ ही उन्होंने सरकार की घोषणाओं पर प्रश्न उठाते रहने की बात कही।

पेंशनर्स को तीन साल में मिले झूठे आश्वासनः जयराम ठाकुर

मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर। - समर न्यूज

समर न्यूज | मंडी

मंडी से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के पेंशनर्स इस सरकार के रवैए से बहुत हताश हैं क्योंकि सरकार लगातार तीन साल से उन्हें झूठे आश्वासनों के सिवाय कुछ नहीं दे रही है। पेंशनर्स को सरकार समय पर पेंशन ही नहीं दे पा रही है बाकी सुविधाएं मिलना तो दूर की बात है। तीन साल में सरकार ने पेंशनर्स को इलाज और दवाई के नाम पर एक भी पैसा नहीं दिया है। जिसकी वजह से उनकी जिंदगी भी खतरे में पड़ गई है। उम्र के इस पड़ाव पर हर किसी को अधिक देखभाल और इलाज की आवश्यकता होती है।

बुढ़ापे में सबसे ज्यादा खर्च ही इलाज और दवाओं पर ही होता है। इतने महत्वपूर्ण मामले पर सरकार की उदासीनता ही सरकार की संवेदनहीनता बताती है। जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस तरीके से पूरे प्रदेश में पेंशनर्स द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है और धर्मशाला में पेंशनर्स की रैली के बाद सरकार जमीनी तौर पर कुछ करती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में मेरा मुख्यमंत्री से आग्रह है की पेंशनर्स की समस्याएं बहुत गंभीर हैं और उनका निदान अति शीघ्र किया जाना चाहिए। जिन्होंने कर्मचारी के तौर पर प्रदेश में अपनी सेवाएं देकर प्रदेश के योगदान में अपनी भूमिका निभाई है उनके साथ आज इस तरह का भेदभाव बहुत दुःखदाई है। जयराम ठाकुर ने प्रदेश में बेकाबू होते माफिया और ध्वस्त होती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि विभिन्न प्रकार के माफिया और अवैध खनन के लिए हो रही लड़ाई और अपराध में प्रदेश के नेताओ के नाम पहले दिन से ही सामने आए थे लेकिन अब यह प्रकरण आगे बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री इसे दूर से देख रहे हैं। अतीत में भी यह देखने को मिला कि बड़े –बड़े नेता माफिया के सामने बेबस नजर आए और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग खुले मंचों से की गई।

घर लौटा लापता जवान, गांव में ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ स्वागत

जवान बलदेव परिवार के साथ - समर न्यूज

अरविंद। हमीरपुर
समर न्यूज

हमीरपुर जिले के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बनाल में उस समय खुशी का माहौल छा गया जब 15 वर्ष पहले लापता हुए जवान बलदेव घर लौट आए। उनके आगमन पर ग्रामीणों और परिवारजनों ने ढोल–नगाड़ों की थाप पर जोरदार स्वागत किया। घर पहुंचते ही बलदेव की आरती उतारी गई और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका गृह प्रवेश करवाया गया।

बलदेव वर्ष 2010 में अपने भाई की शादी में शामिल होने के बाद घर से दिल्ली और फिर वहां से गुवाहटी–अगरतला में अपनी ड्यूटी के लिए रवाना हुए थे, लेकिन वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। इसके बाद से ही वे लापता थे और परिवार लगातार उनकी तलाश में था। लंबे समय तक कोई सुराग न मिलने के कारण उनके मिलने की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी थी।

आधी रात जंगल में उतारी गई स्कूल की छात्रा

धर्मवीर। मंडी
समर न्यूज

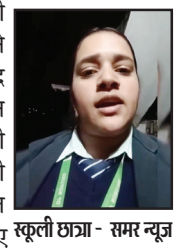

स्कूली छात्रा - समर न्यूज

मंडी जिले के सरकाघाट क्षेत्र में एचआरटीसी बस सेवा की लापरवाही उजागर होने के बाद परिवहन निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। एक निजी स्कूल की छात्रा द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो ने बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है। छात्रा ने आरोप लगाया है कि सरकाघाट से शाम 5 बजे पंडोल रूट पर चलने वाली निगम बस चालक की मनमानी के चलते निर्धारित गंतव्य तक नहीं पहुंचती। इससे उन्हें और अन्य यात्रियों को सर्द रातों में जंगल के रास्तों से पैदल चलकर घर जाना पड़ता है।

राजस्व कार्यों में सुधार को लेकर उपायुक्त सख्त

संजू। शिमला
समर न्यूज

उपायुक्त अनुपम कश्यप - समर न्यूज

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने राजस्व विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि निशानदेही से जुड़े मामलों में अब देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति शिकायत लेकर कार्यालय आता है कि फील्ड स्टाफ काम नहीं कर रहा, तो उसी समय संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई होगी। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग राजस्व कार्यों से जुड़ी समस्याएं लेकर उपायुक्त कार्यालय पहुंच रहे हैं, जिससे विभाग की नकारात्मक छवि बन रही है। उन्होंने दोनों एसडीएम को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर लंबित फाइलों को निपटाया जाए। उपायुक्त ने कहा कि पटवारियों और कानूनगो की लेटलतीफी का सीधा नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है। सरकार द्वारा राजस्व विभाग को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जिनका पालन सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने 7 दिनों के अंदर सभी लंबित निशानदेही मामलों में सम्मन जारी करने का निर्देश दिया। फील्ड कानूनगो धामी बृजलाल द्वारा जनवरी 2025 से अब तक एक भी सम्मन जारी न करने पर उपायुक्त ने कड़ा सवाल उठाया और नायब तहसीलदार से भी जवाब तलब किया।

नशा

शांत पहाड़ों पर मंडराता मौत का साया

चिट्टे की जकड़ में हिमाचल, युवाओं की नसों में दौड़ रहा 'सफेद जहर'

शगुन कश्यप | धर्मशाला
समर न्यूज

पंजाब और सीमावर्ती राज्यों तक सीमित माने जाने वाले चिट्टे (सिंथेटिक ड्रग्स) का जहर अब हिमाचल के पहाड़ी घरों तक पहुंच चुका है। नशे के खिलाफ हिमाचल सरकार और पुलिस का महीनों से लगातार अभियान जारी हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुवाई में हाल ही में धर्मशाला में एंटी-ड्रग वॉकथॉन आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं को नशामुक्ति की राह पर जोड़ने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं और नकद इनाम घोषित किए गए। इसके बावजूद भी नशे के आंकड़ों में कमी नहीं आ रही। प्रदेश के कुछ जिले पूरी तरह से नशे कि गिरफ्त में हैं जहां नशा तेजी से फैल रहा है। राज्य का युवा वर्ग जो किसी भी समाज की ताकत माना जाता है आज इस सफेद जहर का सबसे बड़ा शिकार बनता जा रहा है। पहाड़ों के बीच बसा शांत प्रदेश अब नशा खत्म करने के लिए पुलिस और सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। प्रदेश में नशे का नेटवर्क तेजी से जड़ें जमा रहा है। बीते दिनों प्रदेश में पुलिस ने अनेक मामलों में नाबालिगों और कॉलेज छात्रों को तस्करी के आरोपों में पकड़ा। नाबालिग छात्रों के पकड़े जाने से पता चलता है कि प्रदेश का युवा अब नशे की गिरफ्त में है।

सरकार का सख्त रुख, मगर खतरा अब भी बरकरार

2024 में आंकड़ों के मुताबिक राज्य पुलिस ने 368.20 किलोग्राम चरस, 36.20 किलोग्राम अफीम, 11.14 किलोग्राम हेरोइन, 668.67 किलोग्राम पोस्त भूसी (भुक्की), 33.64 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इसके अलावा 37.20 लाख भांग के पौधे, 3.78 लाख पोस्त पौधे नष्ट किए गए, 2.89 करोड़ नशीली गोलियां बरामद की गईं। ये आंकड़े साफ बताते हैं कि नशे की जड़ें पहाड़ों में कितनी गहराई तक पहुंच चुकी हैं।

36 घंटे का मेगा ऑपरेशनः 33 गिरफ्तार, भारी मात्रा में नशा बरामदः नशे के बढ़ते जाल को तोड़ने के लिए पुलिस ने हाल ही में 36 घंटे का बड़ा अभियान चलाया, जो 17 नवंबर शाम 6 बजे से 19 नवंबर सुबह 6 बजे तक चला। इस ऑपरेशन में 33 लोग गिरफ्तार, 8.53 किलोग्राम हशीश, 2.66 किलोग्राम मारिजुआना, 67.14 ग्राम हेरोइन, 21.78 ग्राम अफीम, 100 नशीली गोलियां बरामद की गई। पुलिस की यह कार्रवाई दर्शाती है कि तस्करों का नेटवर्क कितना फैला हुआ है और उसे खत्म करने के लिए निरंतर व सख्त प्रयासों की ज़रूरत है।

भाजपा प्रवक्ता करण नंदाः भाजपा प्रवक्ता करण नंदा ने कहा कि हमने नशे के विरुद्ध जिलास्तर पर उपायुक्तों को ज्ञापन भी दिया था। इसमें सरकार और राज्यपाल को उनसे नशामुक्त केंद्रों में क्या-क्या सुविधा होनी चाहिए, इस पर भी बल दिया था। एंटी ड्रग फॉर्स एप्प जो गृहमंत्री अमित शाह ने बनाया है इस बारे में भी जागरूकता कर रहे हैं। हमारा मुख्य फोकस युवाओं को खेल और दिनप्रतिदिन की गतिविधियों से जोड़ना है। वे इन गतिविधियों से जुड़ेंगे तो नशे से भी दूर रहेंगे। इस पर हमारा जागरूकता अभियान चला है, चाहे जयराम ठाकुर हो या राजीव बिन्दल इस बारे में जागरूकता कार्यक्रम किए है। इस बार विधानसभा में भी पक्ष और विपक्ष ने नशे के विरोध में संयुक्त मुहीम चलाई थी।

मुख्यमंत्री मीडिया एडवाइजर नरेश चौहानः मुख्यमंत्री मीडिया एडवाइजर नरेश चौहान ने कहा कि नशे के विरुद्ध हम व्यापक अभियान बनाना चाहते है. जब तक जनता, बच्चे, पुलिस, प्रशासन और सभी लोग इसमें शामिल नहीं होंगे हम नशे को जड़ से नहीं उखाड़ सकते. इसके लिए लोगों का काफी समर्थन मिला है. जब हमने ये अभियान शिमला में शुरू किया था, पिछले दिनों धर्मशाला में शुरू किया था, तो काफी संख्या में बच्चे और युवा शामिल हुए थे. नशे के खिलाफ कानून भी बन रहा है. इसके अलावा पुनर्वास भी कर रहे है. पुलिस को भी हिदायत दी गई है हर जगह नशे के खिलाफ स्पेशल विंग बना दिया गया है, SIT बना दी गई है. चिट्टे के खिलाफ मुख्यमंत्री खुद एक मुहिम चला रहे हैं. जो लोग नशे की सप्लाई में शामिल है उनकी प्रॉपर्टी को सील किया जाए, ऐसे कानून बनाकर व्यापक अभियान बनाया जाए. इसमें कोई कांग्रेस भाजपा नहीं है. इसमें हिमाचल के युवाओं, बच्चों को नशे से बचाने की मुहिम हमारी सरकार ने शुरू की है।

जन संकल्प रैली की तैयारियां तेज़

मंडी प्रशासन ने संभाला मोर्चा 25 कमेटियां व्यवस्थाओं को दे रहीं अंतिम रूप

धर्मवीर। मंडी
समर न्यूज

मंडी शहर में 11 दिसंबर को आयोजित होने वाली कांग्रेस सरकार की जन संकल्प रैली को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। पडुल मैदान में बड़ा मंच तैयार किया जा रहा है, जहां प्रदेश सरकार अपने तीन वर्ष के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश करेगी और आने वाले दो वर्षों की विकास रूपरेखा भी साझा करेगी।

रैली को सफल बनाने के लिए प्रशासन और जिला अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। डीसी मंडी अपूर्व देवगन स्वयं पूरी टीम के साथ दिन-रात तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से बड़े स्तर पर लोगों के पहुंचने की संभावना है, जिसके मद्देनजर प्रशासन हर सुविधा को सुदृढ़ बनाने में जुटा हुआ है।

इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए प्रदेश सरकार ने राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है, जिसमें दो मंत्री और दो विधायक भी शामिल हैं। यह समिति प्रतिदिन तैयारियों का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही है।

उधर, मंडी जिला प्रशासन ने भी व्यवस्था संभालने के लिए 25 अलग-अलग कमेटियों का गठन किया है, जो सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, पेयजल, पार्किंग, मीडिया, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रूप से अंतिम रूप दे रही हैं।

डीसी अपूर्व देवगन ने बताया कि रैली में प्रदेशभर से आने वाले आम लोगों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों की सुविधा को प्रथम प्राथमिकता दी जा रही है। डीसी देवगन ने कहा कि जन संकल्प सम्मेलन का उद्देश्य जनता को सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराना है।

रैली में विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने वाले लाभार्थी भी उपस्थित रहेंगे और वे मंच से अपने अनुभव साझा करेंगे। इसके माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी जाएगी कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से उन्हें कैसे लाभ मिल सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार आने वाले दो वर्षों के लिए अपनी विकास दृष्टि को भी इस मंच से जनता के सामने रखेगी। डीसी ने प्रदेश व मंडी जिले के लोगों से अपील की है कि वे बड़े पैमाने पर इस रैली में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

मदनपुरा चौक के पास पुरानी फर्नीचर मार्केट में लगी आग, लाखों रुपये का सामान जलकर राख

पार्षद दविंदर कौर वालिया ने कहा, अवैध कब्जों को तहसील-बाजारी वाले तुरंत हटाएं

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

घटना की जानकारी देते हुए पार्षद। - समर न्यूज

मदनपुरा चौक के पास एक फर्नीचर की दुकान में अचानक आग लगने के कारण 2 लाख रुपये से भी ज्यादा का सामान जलकर राख हो गया। इस संबंध में जब दुकान के मालिक गुरविंदर सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का अभी तक कुछ पता नहीं चला है, लेकिन इस आग लगने से उनका 2 लाख से अधिक का नुकसान हो गया है। उन्होंने कहा कि बेशक आग लगने की सूचना मिलते ही 10 मिनट के अंदर ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुँच चुकी थी और आग पर काबू पा लिया गया, पर तब तक काफ़ी सामान जल चुका था। गुरविंदर सिंह ने कहा कि यहां न तो कोई शॉर्ट सर्किट या किसी और तरह का कोई कारण लग रहा है। हां इतना जरूर है कि किसी राहगीर ने बीड़ी या सिगरेट इधर-उधर फेंकी होगी, जिसके चलते यह आग लग गई, और चूंकि यहाँ केमिकल इस तरह से था कि आग जल्दी ही आगे फैल गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि इस फर्नीचर की दुकान के साथ-साथ कई अन्य दुकानदारों ने भी इस जगह पर अवैध कब्जा किया हुआ है, और वे इस संबंध में कई बार गुरविंदर सिंह को पहले ही आगाह कर चुके हैं कि यहां से कब्जा हटाया जाए। क्योंकि अगर आज इस आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो साथ लगते एचएल के क्वार्टरों में भी यह आग पहुंच जानी थी, और बड़ा नुकसान हो सकता था। मौके पर मौजूद पार्षद वालिया ने कहा कि वे पुरानी फर्नीचर मार्केट से संबंधित दुकानदारों को कई बार आगाह कर चुके हैं कि यहां से अवैध कब्जे हटाए जाएं, पर नहीं हटाए जा रहे। और मेरी अब यह तहसील-बाज़ारी मोहाली कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों से विनती है कि वे तुरंत इस जगह से अवैध कब्जे हटाएं और किसी बड़ी दुर्घटना होने से लोगों को बचा लें। पार्षद दविंदर कौर वालिया ने कहा कि वे हमेशा लोगों के बीच रहती हैं और लोगों की समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि वे कई बार गुरविंदर सिंह नाम के इस दुकान मालिक को यहां से अपना अवैध कब्जा हटाने के लिए कह चुकी हैं पर इस पर कोई असर नहीं होता।

पुलिस और स्कूल के छात्र नशे के खिलाफ हुए एकजुट

हंसराज पब्लिक स्कूल में हुआ नशा-मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

नशे के खिलाफ मार्च निकालती हुई पुलिस। - समर न्यूज

पुलिस ने नशा और हिंसा मुक्त मेरा गांव मेरी शान अभियान के तहत सेक्टर-6 स्थित हंसराज पब्लिक स्कूल में नशा-मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाने के साथ-साथ सुरक्षित व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों के साथ मिलकर स्कूल परिसर से आसपास के क्षेत्र तक एक जागरूकता पैदल मार्च निकाला।

इस मार्च के माध्यम से छात्रों ने पोस्टर और स्लोगन के जरिए नशा विरोधी संदेश दिए और लोगों को नशे से दूर रहने का आग्रह किया।

पुलिस टीम का नेतृत्व सब-इंस्पेक्टर सतीश ने किया, जिन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा समाज में अपराध और हिंसा की जड़ है।

इसलिए युवाओं का जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों में जोश भरते हुए बताया कि युवा पीढ़ी ही नशे के खिलाफ सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

छात्रों को नशे के खतरों, साइबर प्रलोभनों, गलत संगति से बचने और सकारात्मक गतिविधियों की ओर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया।

स्कूल प्रशासन ने पंचकूला पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को सही दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों से नशा-मुक्त समाज बनाने में सहयोग करने का संकल्प भी दिलवाया।

पुलिस ने 37 दिन में काटे 762 चालान, 86 वाहन किए इंपाउंड

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

पुलिस शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार सख्त रुख अपनाए हुई है। नशे का सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों पर शिकंजा कसते हुए ट्रैफिक पुलिस ने नवंबर माह व दिसंबर माह के पहले सप्ताह में सख्त कार्रवाई की। एसीपी ट्रैफिक सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि ड्रिंक एंड ड्राइव नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीमों ने नवंबर महीने में कुल 581 चालान जारी किए, जबकि 63 वाहन मौके पर ही इंपाउंड किए गए। इसी क्रम में दिसंबर माह के पहले सप्ताह में भी कड़ी कार्रवाई जारी रही। इस अवधि में पुलिस ने 171 चालान जारी कर 23 वाहनों को इंपाउंड किया है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा, ताकि नशा कर वाहन चलाने जैसी खतरनाक प्रवृत्तियों पर पूरी तरह रोक लग सके।

इस दौरान डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक मनप्रीत सिंह सूदन ने साफ तौर पर कहा कि सड़क पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और शराब पीकर वाहन चलाना न सिर्फ कानून

जांच करती हुई पुलिस। - समर न्यूज

का उल्लंघन है, बल्कि यह दूसरों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ भी है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य शहर की सड़कों को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है। अक्सर सड़क हादसों की जड़ में शराब पीकर वाहन चलाने की लापरवाही होती है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पंचकूला में कोई भी चालक नशे की हालत में सड़क पर न उतर सके। जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई अनिवार्य है। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक की नागरिकों से अपीलः यातायात नियमों का सम्मान करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं।

पुलिस ने बचाई युवक की जान

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

अंबाला निवासी अजय शर्मा, जो सेक्टर-14 पंचकूला में कार्यरत हैं, 27 नवंबर देर रात लगभग 1:30 बजे स्कूटी से इंडस्ट्रियल फेस से लिटिल फ्लावर स्कूल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनका एक्सीडेंट हो गया और वे सड़क किनारे गंभीर अवस्था में बेहोश हो गए। देर रात सड़क सुनसान थी, लेकिन गश्त के दौरान सेक्टर-14 थाना की राइडर-14 टीम—सिपाही अमनदीप और एसपीओ दिलबाग सिंह—उसी मार्ग से गुजरी। टीम ने युवक को खून से लथपथ हालत में देखकर तुरंत ईआरवी को बुलाया और करीब 10 मिनट में उसे सेक्टर-6 अस्पताल पहुंचाकर इलाज शुरू करवाया। पुलिस ने युवक का फोन, लैपटॉप, पर्स और दस्तावेज सुरक्षित रखकर बाद में परिजनों को सौंप दिए। स्वस्थ होने के बाद अजय शर्मा ने वीडियो जारी कर इंचार्ज रामू स्वामी व टीम का आभार जताया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस हर समय नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा के लिए कंट्रोल रूम हुआ स्थापित

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

उड्डयन विभाग की सचिव सोनाली गिरि। - समर न्यूज

देश में चल रहे इंडिगो संकट के मद्देनजर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए 24×7 कंट्रोल रूम स्थापित कर शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किसी भी प्रकार की समस्या न आने देने हेतु कदम उठाए हैं।

पंजाब शहरी उड्डयन विभाग की सचिव सोनाली गिरि ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत राज्य सरकार यात्रियों को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए वचनबद्ध है। इस संदर्भ में स्थिति को सुचारू करने के लिए उन्होंने हवाई अड्डा प्राधिकरण, सीआईएसएफ और एयरलाइन कंपनियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

सचिव शहरी उड्डयन ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों अनुसार इंडिगो उड़ानों में देरी रद्द होने से प्रभावित यात्रियों की सुविधा के लिए कंट्रोल रूम तुरंत शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि रिफंड एवं री-शेड्यूलिंग, सामान की डिलीवरी और उड़ानों से जुड़े रीयल टाइम अपडेट उपलब्ध कराने हेतु ड्यूटी टर्मिनल मैनेजर के कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

सोनाली गिरि ने कहा कि टीमें उड़ान संचालन, देरी, रद्दीकरण और सामान से जुड़े मुद्दों की निरंतर निगरानी कर, समय पर सहायता सुनिश्चित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए यात्री हेल्पलाइन नंबर 95010-15832 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, लोग एयरपोर्ट अथॉरिटी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, विशेषकर @ixcairport, पर भी अपने सवालों के जवाब प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह यात्री अपनी समस्याओं के समाधान हेतु इंडिगो एयरलाइंस के 92899-38532, एयर इंडिया के 88001-97833 / 0172-2242201, एयर इंडिया एक्सप्रेस के 92055-08549, और अलायंस एयर के 98184-28648 नंबरों पर भी संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंडिगो उड़ानों में व्यवधान के दौरान यात्री सुविधा सुनिश्चित करना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है। सचिव ने समय पर रिफंड, री-शेड्यूलिंग, सामान की डिलीवरी और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए शिकायतों के तत्काल निपटारे पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि इंडिगो एयरलाइन के पास लगभग 30 यात्रियों के बैग लगेज हैं, जिन्हें यात्रियों के पते पर निःशुल्क भेजा जाएगा सोनाली गिरि ने कहा कि एयरलाइन यह भी सुनिश्चित करेगी कि उड़ान रद्द होने की जानकारी यात्रियों को उड़ान समय से कम से कम 10 घंटे पहले दे दी जाए।

ट्रैफिक नियमों की जागरुकता को लेकर हुआ जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरमनदीप सिंह हंस और पुलिस अधीक्षक (यातायात) नवनीत सिंह महल के नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत, पुलिस उप अधीक्षक (यातायात) करनैल सिंह ने आज सरदार बलदेव सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्मार्ट स्कूल, मजात्री (साहिबजादा अजीत सिंह नगर) के विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों का सेवन न करने और यातायात नियमों का पालन करने के बारे में जागरूक करने के लिए एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के बुरे प्रभाव, यातायात नियमों का पालन करने और खेलों में भाग लेने के महत्व के बारे में जागरूक करना था। इस संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों को जागरूक किया गया कि युवा विद्यार्थी सड़क पर चलते समय अपनी गति नियंत्रित रखें, लाल बत्ती पार न करें, सुरक्षा शिरस्त्राण पहनें, सुरक्षा पेटी बांधें, नशे में वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय दूरभाष का प्रयोग न करें, इत्यादि। विद्यार्थियों को सड़क पर चलते समय नैतिकता और मानवीय मूल्यों को न भूलने की सीख देते हुए उन्होंने कहा कि हमें बिना किसी डर के तुरंत रोगी वाहन को रास्ता देना चाहिए और सड़क दुर्घटना में घायलों की सहायता करनी चाहिए।

इसके साथ ही विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि यदि आप वाहन चलाते समय चल दूरभाष का उपयोग करते हैं, तो मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत पहली बार गलती करने पर 5,000 रुपये और दूसरी बार गलती करने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना और 6 महीने तक की जेल हो सकती है। इसके साथ ही 3 महीने के लिए अनुज्ञप्ति निलंबित कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर सरदार बलदेव सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्मार्ट, मजात्री साहिबजादा अजीत सिंह नगर की प्रभारी नरिंदर पाल कौर, व्यावसायिक शिक्षक सिमरनप्रीत सिंह और अन्य कर्मचारियों ने इस जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन करने के लिए पुलिस उप अधीक्षक (यातायात) को धन्यवाद दिया।

मतदाता सूची वर्ष 2002 से वर्तमान मतदाताओं का किया जा रहा मिलानः जिला निर्वाचन अधिकारी

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से पूर्व की गतिविधि के तहत जिले में सभी बीएलओ द्वारा राज्य में हुए पिछले गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची वर्ष 2002 से राज्य के वर्तमान मतदाताओं का मिलान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज नहीं है लेकिन उनके माता-पिता, दादा-दादी का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज था, उनके साथ मिलान किया जा रहा है। इस कार्य को समय सीमा पर पूर्ण करने के लिए राज्य के सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से सूचना प्राप्त कर रहे है। अभी तक जिले के वर्तमान मतदाताओं की संख्या में से लगभग एक लाख दो हजार मतदाताओं को वर्ष 2002 की मतदाता सूची के साथ मिलान किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं को यह मालूम नहीं है कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में स्वयं उनका नाम या उनके माता-पिता, दादा-दादी का नाम भारत के किसी राज्य की या हरियाणा राज्य की किस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किस भाग (मतदान केन्द्र संख्या) व मतदाता सूची की क्रम संख्या में दर्ज है, वे भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट www.eci.gov.in पर उपलब्ध सर्च यूअर नेम इन लास्ट नेम एसआईआर के तहत अपने माता-पिता, दादा-दादी का नाम खोज सकते है। उन्होंने जिले की दोनो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ को घर पर आने पर बीएलओ को अपने माता-पिता, दादा-दादी के राज्य, विधानसभा, मतदान केन्द्र नंबर व क्रम संख्या के सम्बंध में सही सूचना दें व मतदाता का नाम जोड़ने तथा सन्तान के तौर पर जोड़ने में सहयोग करने का कष्ट करें ताकि जिले की दोनो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की तैयार की जाने वाली मतदाता सूची को त्रुटि रहित तैयार किया जा सके।

शहीदों की शहादत को समर्पित समागम का होगा आयोजन

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

धन धन माता गुजर कौर जी साहिबजादों और सभी शहीदों की बेमिसाल शहादत को समर्पित एक गुरमत समागम का आयोजन किया जा रहा है। गुरमत समागम के बारे में और जानकारी देते हुए गुरु घर के सेवक और स्टेट अवार्डी फूलराज सिंह ने बताया कि 9 दिसंबर को यह गुरुद्वारा नानक दरबार सेक्टर-90-91 मोहाली में शाम 5:45 बजे से रात 8:00 बजे तक किया जा रहा है। फूलराज सिंह ने यह भी बताया कि इस मौके पर भाई साहिब भाई हरपाल सिंह हेड ग्रंथी गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब, खास तौर पर ऐतिहासिक बातों के लिए मोहाली पहुंच रहे हैं, जो संगत के साथ ऐतिहासिक बातें करेंगे।

उन्होंने बताया कि शाम 5:45 से 6:15 बजे तक श्री रहराज साहिब भाई हरदीप सिंह जी का पाठ होगा, उसके बाद 6:15 से 7:00 बजे तक गुरुद्वारा नानक दरबार से कीर्तनी जत्था भाई रमनदीप सिंह जी, हजूरी रागी होंगे। यह शाम 7 बजे तक चलेगा। उसके बाद भाई साहिब भाई हरपाल सिंह जी शाम 7 बजे से 8:15 बजे तक श्री फतेहगढ़ साहिब में संगत के साथ ऐतिहासिक चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि इवेंट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरमत इवेंट के दौरान गुरु का लंगर परोसा जाएगा।

55 बार खून दान कर चुके हैं महावीर सिंह, बोले खून दान करके मिलती है आत्मिक संतुष्टि

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

महावीर सिंह। - समर न्यूज

55 बार खून दान कर चुके, डेंगू, कैंसर व गर्भवती महिलाओं को 20 बार रेड सेल्स प्लाज्मा दान कर चुके महावीर सिंह ने बताया कि उनका खून दान करके व मरीज को आई किसी तरह की दिक्कत से के चलते सहायता करके बेहद आत्मिक संतुष्टि का एहसास होता है, जिसको वह शब्दों में बयां नहीं कर सकते। महावीर सिंह ने बताया कि वह पिछले 18 वर्षों के वर्षों से खून दान वी प्लाज्मा डोनेट कर दान करते आ रहे हैं। उन्हें पंजाब के भिन्न-भिन्न शहरों के अलावा हरियाणा हिमाचल प्रदेश व दिल्ली तक से भी मरीज खून दान व रेडक्ल प्लाज्मा की जरूरत के लिए फोन करते हैं। वह किसी भी तरह उनकी मरीजों की सहायता करने के लिए दानी सज्जनों दानी व्यक्तियों का चयन करते हैं। महावीर सिंह ने कहा कि वैसे तो प्रदेश वह केंद्र सरकार द्वारा सभी व्यक्तियों के कामकाज को वह कामकाज को ऑनलाइन कर दिया गया है मगर कीमती जान बचाने के लिए जरूरी खून दान की व्यवस्था के लिए जो कारगर ब्लड बैंक कार्य कृत नहीं है। महावीर सिंह ने बताया कि लोग अपना खून तो दान करना चाहते हैं मगर उनको समाज विरोधी तत्वों ने उनके जहां में जहर बिठा रखा है कि जो भी व्यक्ति लगातार खून दान करता रहता है। उसको भविष्य में शारीरिक दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है, मगर ऐसी कोई बात नहीं है। महावीर सिंह ने बताया कि वह खुद इस बात के उदाहरण हैं कि 55 बार खून दान करने पर भी वह पूरी तरह तंदुरुस्त हैं। उन्होंने कहा कि कीमती जान को बचाने के लिए खून दान करने के

केमिस्ट एसोसिएशन के इवेंट में विधायक कुलवंत सिंह हुए शामिल

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

विधायक कुलवंत सिंह मोहाली डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एसोसिएशन की सालाना आम मीटिंग में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि वह हर दिन अलग-अलग ऑर्गनाइजेशन और गांव की पंचायतों की तरफ से होने वाले इवेंट में हिस्सा लेते हैं और हर कोई अपने लेवल पर अपनी मांगें उन्हें बताता है, जिसके लिए संबंधित सब्जेक्ट एक्सपर्ट से बात की जाती है ताकि उनका समय पर हल हो सके, यह हमेशा पक्का किया जाता है। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आज मोहाली डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एसोसिएशन के नुमाइंदों से उनकी रोजाना की दिक्कतें सुनने के बाद बातचीत हुई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह की शानदार लीडरशिप में आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के हर तबके और इलाके के लोगों की दिक्कतों और जरूरतों का ध्यान रख रही है और उन्हें समय पर हल कर रही है। रिपोर्टर्स से बात करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने मरीजों के हेल्थ चेकअप के लिए मोहल्ला क्लीनिक शुरू किए हैं, जिनसे हर दिन हजारों मरीज अपनी हेल्थ चेकअप करवाते हैं और इन मोहल्लों में मरीजों को दवाइयां भी फ्री में दी जाती हैं। इस मौके पर एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अमरदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने एसोसिएशन की तरफ से विधायक कुलवंत सिंह को एक मेमोरेंडम भी दिया है, जिसमें उन्होंने केमिस्ट एसोसिएशन के रिप्रेजेंटेटिव्स को आ रही दिक्कतों के बारे में बताया है।

युवा महोत्सव

मंत्री कृष्ण लाल पंवार बोले, दुनिया में बज रहा हरियाणा का डंका

सेक्टर-5 इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में हुआ युवा महोत्सव 2025 का शुभारंभ

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

युवा महोत्सव का शुभारंभ करते हुए मंत्री। - समर न्यूज

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग द्वारा सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित राज्यस्तरीय तीन दिवसीय युवा महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा का डंका केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में बज रहा है। इस अवसर पर खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम तथा विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन भी उपस्थित रहे।

पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। प्रदेश के युवा खेल, तकनीक, कला, उद्यमिता और नवाचार के माध्यम से देश-दुनिया में राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि हरियाणा की बेटियां भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे युवा देश के रूप में भारत की युवा शक्ति आज राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। जिस तरह स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं ने भारत की दिशा बदली, उसी तरह आज का युवा कौशल, तकनीकी, नवाचार और उद्यमिता के बल पर भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प पूरा कर सकता है। पंवार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शिक्षा, खेल, कृषि नवाचार, उद्यमिता और तकनीक जैसे क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसी पहलों ने युवाओं को नए मंच उपलब्ध कराए हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से लाखों युवाओं को आधुनिक कौशलों का प्रशिक्षण देकर रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आपके सपनों में केवल आपका भविष्य नहीं, बल्कि समाज की उम्मीदें और देश की आकांक्षाएं जुड़ी हैं। इसलिए अपने लक्ष्य इतने बड़े बनाइए कि आपकी सफलता के साथ हरियाणा और भारत का नाम भी दुनिया में चमके। उन्होंने युवाओं को ज्ञान, कौशल और सर्वश्रेष्ठ चरित्र के साथ समाज और प्रदेश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। इससे पहले मंत्री पंवार ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों और प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उनकी सराहना की। कार्यक्रम के दौरान 'युवा संवाद' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल एवं युवा अधिकारिता मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि युवा महोत्सव एक सांस्कृतिक संगम है, जिसे स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ने की प्रेरणा दी और कहा था कि उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको। गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित विकसित भारत-2047 का लक्ष्य युवाओं की भागीदारी से ही संभव है। आज का युवा केवल डिग्री नहीं, बल्कि दिशा और नेतृत्व चाहता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा खेलों में लगातार अग्रणी रहा है और सरकार द्वारा आधुनिक स्टेडियम, उच्चस्तरीय कोचिंग, पोषण सहायता और प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराकर खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि युवाओं का यही उत्साह हर क्षेत्र में दिखाई दे, तो हरियाणा का नाम विश्व पटल पर और अधिक चमकेगा। कार्यक्रम में शिवालिक बोर्ड के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश देवीनगर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, बाल कल्याण परिषद की पूर्व महासचिव रंजीता मेहता सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

स्वच्छ आइकॉनिक प्लेसेज़ में शामिल कुरुक्षेत्र का ब्रह्मसरोवर

ऐतिहासिक विरासत जिसकी रक्षा में दशकों की मेहनत

कुरुक्षेत्र। पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व वाले ब्रह्मसरोवर ने तब सुर्खियां बटोरीं जब इसे केंद्रीय पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा चुनी गई देश की 30 स्वच्छ आइकोनिक स्थलों की सूची में शामिल किया गया। यह सम्मान भारतीय विरासत के इस अनूठे स्थल का गौरव बढ़ाने वाला है।

ब्रह्मसरोवर को वह पहचान मिलने में पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारी लाल नंदा की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय मानी जाती है। करीब 20 वर्षों तक कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड (KDB) के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने इस धार्मिक स्थल की पवित्रता पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्षों तक उपेक्षित रहा ब्रह्मसरोवर, वर्ष 1970 में KDB द्वारा गंभीरता से लिए गए पुनरुद्धार अभियान के बाद एक कीचड़युक्त तालाब से बदलकर दुनिया के सबसे सुंदर जलाशयों में से एक बन गया।

पौराणिक इतिहासः ब्रह्मा से लेकर परशुराम और महाभारत तक ब्रह्मसरोवर की कथा अत्यंत रोचक है। इसके नाम से ही पता चलता है कि यह सृजनकर्ता भगवान ब्रह्मा से जुड़ा है। प्राचीन समय में इसे 'रामहरद' और 'समंत पंचक' के नामों से भी जाना जाता था, जो भगवान परशुराम से संबंधित हैं। स्थानीय मान्यता है कि इस सरोवर का निर्माण राजा कुरु ने करवाया और यहीं प्रजापति (ब्रह्मा) ने अपना प्रथम यज्ञ किया।

पद्म, वामन और मत्स्य पुराण में वर्णित है कि अमावस्या या सूर्य ग्रहण के दिन इस पवित्र सरोवर में स्नान करना हज़ार अश्वमेध यज्ञ के बराबर पुण्य प्रदान करता है। यही कारण है कि सूर्य ग्रहण के अवसर पर लाखों श्रद्धालु ब्रह्मसरोवर में डुबकी लगाने आते हैं। स्नान के बाद तीर्थयात्री स्थानीय मंदिरों में दर्शन करते हैं और गरीबों को दान भी देते हैं।

कृष्ण और गोपियों से जुड़ी कथा श्रीकृष्ण संग्रहालय के संस्थापक क्यूरेटर डॉ. राजेश पुरोहित के अनुसार, भगवान कृष्ण अपने परिवार सहित सूर्य ग्रहण के इस धार्मिक मेले में भाग लेने द्वारका से कुरुक्षेत्र आए थे। वृंदावन से भी गोपियाँ इस पवित्र सरोवर में स्नान करने आईं। चूंकि कृष्ण बाल्यावस्था में वृंदावन छोड़कर चले गए थे, इसलिए यह पुनर्मिलन अत्यंत भावुक माना जाता है। कहा जाता है कि इसी अवसर पर कृष्ण और गोपियों के बीच महत्वपूर्ण संवाद हुआ।

पुरातन काल में सूर्य ग्रहण के दिनों में अनेक राजा-महाराजा कुरुक्षेत्र आकर धार्मिक अनुष्ठान करते थे। महाभारत का युद्ध भले ही बाद में इस धरती पर लड़ा गया, पर उससे पहले कुरुक्षेत्र एक प्रमुख तीर्थधाम के रूप में ही प्रसिद्ध था।

मुगल और ब्रिटिश काल में भी बनी रही पवित्रता

ब्रह्मसरोवर के प्रति श्रद्धा केवल हिंदू शासकों तक सीमित नहीं रही। मुगल बादशाह अकबर सन् 1567 के सूर्य ग्रहण पर यहाँ आए थे, और उनके साथ दरबारी इतिहासकार अबुल फज़ल भी मौजूद थे। अकबरनामा में सूर्य ग्रहण और ब्रह्मसरोवर में स्नान करते तीर्थयात्रियों का उल्लेख मिलता है। फ्रांसीसी यात्री फ्रांस्वा बर्नियर ने भी अपने विवरणों में इस पवित्र सरोवर का जिक्र किया है।

सरोवर में मिले अभिलेखों से पता चलता है कि ब्रिटिश शासनकाल में भी इसकी पवित्रता बनाए रखने के प्रयास हुए।

आज का ब्रह्मसरोवरः पर्यटन और स्वच्छता की दिशा में बड़े कदम

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव मदन मोहन छाबरा के अनुसार, इस वर्ष ब्रह्मसरोवर में नहर से साफ बहता पानी उपलब्ध कराया गया है, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोज लाल खट्टर की विशेष रुचि रही। केंद्र सरकार ने कुरुक्षेत्र को श्रीकृष्ण सर्किट में शामिल किया है और 197 करोड़ रुपये की परियोजनाओं यहाँ के धार्मिक स्थलों और ब्रह्मसरोवर के विकास के लिए स्वीकृत की गई हैं। लक्ष्य है-कुरुक्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय तीर्थ और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना, जहाँ भगवान कृष्ण ने भगवद् गीता का उपदेश दिया था।

वेंकटेश प्रसाद बने केएससीए के अध्यक्ष

बेंगलुरु। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) का नया अध्यक्ष चुना गया है। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुजीत सोमसुंदर को उपाध्यक्ष चुना गया है, जबकि संतोष मेनन सेक्रेटरी चुने गए। बीएन मधुकर को ट्रेजरर चुना गया, जबकि केएन शांत कुमार पैनल के बीके रवि को ज्वाइंट सेक्रेटरी पद का जिम्मा मिला है।

रविवार को जिस चुनाव का बेसब्री से इंतजार था, उसमें कुल 1,307 वोट पड़े, जो 2013 में डाले गए रिकॉर्ड 1,351 वोटों से थोड़े कम हैं। भारत की तरफ से 33 टेस्ट और 161 वनडे मुकाबले खेलने के बाद वेंकटेश प्रसाद साल 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रहे थे।

प्रसाद के पैनल को भारत के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और जवागल श्रीनाथ का सपोर्ट था, जिन्होंने 2010 से 2013 तक केएससीए के प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी के तौर पर भी काम किया। अब, उन्हें 749 वोट मिले हैं, जबकि उनके विरोधी केएन शांत कुमार ने 588 वोट हासिल किए।

उपाध्यक्ष पद के लिए सुजीत सोमसुंदर को 719 वोट मिले, जबकि डी विनोद सिवप्पा ने 588 वोट हासिल किए। सोमसुंदर ने हाल ही में बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में एजुकेशन हेड के तौर पर काम किया था।

संतोष मेनन को सेक्रेटरी पद के लिए 672 वोट मिले, जबकि ईएस जयराम ने 632 वोट हासिल किए। बीएन मधुकर ने 736 वोट के साथ ट्रेजरर हासिल किया, जबकि एमएस विनय को 571 वोट मिले।

शांत कुमार पैनल के लिए खुशी की बात यह रही कि बीके रवि ने 669 वोट हासिल करते हुए ज्वाइंट सेक्रेटरी पद हासिल किया। उन्होंने एवी शशिधर को हराया, जिन्हें 638 वोट मिले।

मैनेजिंग कमेटी में लाइफ मेंबर के दो पदों के लिए, वीएम मंजूनाथ (690 वोट) और शैलेश एन पोल (618 वोट) चुने गए।

बेंगलुरु जोन से तीन पदों के लिए, पूर्व क्रिकेटर कल्पना वेंकटचर (764 वोट), अविनाश वैद्य (691 वोट) और आशीष अमरलाल (703 वोट) चुने गए हैं।

एशेज : तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के सामने चयन की मुश्किल

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया की टीम एडिलेड में होने वाले टेस्ट मैच के लिए चयन में मुश्किल फैसले लेने के लिए तैयार है। गाबा में शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल नेसर को टीम में रखना है या नहीं, इस पर मंथन चल रहा है।

शुरुआती दो टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया तीसरे एशेज टेस्ट में सीरीज जीतने के इरादे से उतरना चाहता है। नेसर को ब्रिसबेन में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की जगह खिलाया गया था। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर खुद को साबित किया। कप्तान पैट कमिंस एडिलेड टेस्ट में टीम में वापसी करने वाले हैं। साथ ही यह संभावना भी है कि चयनकर्ता नाथन लियोन को भी वापस बुलाएं, ताकि टीम का संतुलन एडिलेड की परिस्थितियों के अनुरूप सही बैठ सके। बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने कहा कि चयनकर्ता हमेशा वही फैसला लेते हैं जिससे टीम को जीत की ज्यादा संभावना मिले।

जूनियर विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप : भारत की जीत

सैंटियागो। एफआईएच जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप के 9/11 क्वालिफिकेशन मैच में भारत ने वेल्स के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डी हॉकी सेस्पेड में आयोजित हुआ। अब भारत 9 दिसंबर को अपने अगले मैच में उरुग्वे से भिड़ेगा। भारत ने आक्रामक अंदाज में मुकाबले की शुरुआत की। शुरुआती 30 सेकंड में ही पेनाल्टी कॉर्नर हासिल करते हुए भारत ने मोमेंटम बनाया। हालांकि, गोल करने में कामयाबी नहीं मिल सकी। मुकाबले के चौथे मिनट वेल्स ने पेनाल्टी स्ट्रोक मिस कर दिया। भारत की तरफ से एक तेज और शानदार बचाव किया गया। आखिरकार, मुकाबले के 14वें मिनट में हिना बानो ने टैप-इन से खाता खोला। यहां से भारत ने मुकाबले में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनाल्टी कॉर्नर से दबाव बनाए रखा। टीम इंडिया लगातार गोल करने के मौके बनाती रही और आखिरकार इसमें सफलता मिली।

मुकाबले के 24वें मिनट में साक्षी राणा का पहला शॉट सुनेलिता टोप्पो के पास गया, जिन्होंने पास से गोल दागते हुए भारत को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया।

भारत ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही गोल दागते हुए 3-0 से बढ़त हासिल कर ली।

मुकाबले के 31वें मिनट इशिका ने वेल्स की गोलकीपर के रिबाउंड पर गोल किया। ज्योति सिंह की टीम ने मैच में अपनी रफ्तार बनाए रखी। भारत ने दबाव बनाकर वेल्स के डिफेंस को बार-बार भेदा। इस बीच गोल करने के कुछ मौके बने और तीसरे क्वार्टर की समाप्ति तक भारत ने वेल्स को अपने ही हाफ में धकेल दिया।

मुकाबले के अधिकांश समय बॉल पर कब्जा रखने के बाद, भारत ने आखिरी क्वार्टर में अपनी बढ़त मजबूत करने के लिए और गोल करने के मौके तलाशने की कोशिश की।

वेल्स को मैच के 52वें मिनट में मौका मिला। एलोइस मोआट ने टीम के लिए पहला गोल दागते हुए भारत की बढ़त कम कर दी। हालांकि, अभी भी टीम इंडिया के पास शानदार लीड थी। वेल्स के लिए यह सांत्वना गोल था, क्योंकि भारत ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए मुकाबला 3-1 से जीत लिया।

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप : सेमीफाइनल में भारत की हार

चेन्नई। भारत को एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में गत चैंपियन जर्मनी के हाथों 1-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब बुधवार को खिताबी मुकाबले में जर्मनी का सामना स्पेन से होगा, जबकि इसी दिन भारतीय टीम तीसरे/चौथे स्थान के लिए अर्जेंटीना से भिड़ेगी। रमुकाबले के तीसरे मिनट में ही जस्टस वारवेग ने एक मजबूत इंटरसेप्शन किया, लेकिन भारतीय गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया। 14वें मिनट में जर्मनी को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला। क्विरिन नाहर ने शॉट लिया, जिसे अंकित पाल के शरीर ने गोल के ठीक सामने रोक दिया और मेहमान टीम को पेनाल्टी स्ट्रोक मिला। लुकास कोसेल ने स्ट्रोक को सफलतापूर्वक गोल में बदला, जिससे जर्मनी को अहम बढ़त मिली। अगले ही मिनट में सर्कल के अंदर टाइटस वेक्स का पास, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर के पैर से टकराकर गोल में चला गया। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक जर्मनी की टीम 2-0 से आगे निकल गई थी। भारत ने दूसरे क्वार्टर में अपने ओवरऑल गेमप्ले को फिर से बेहतर बनाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। मुकाबले के 30वें मिनट जर्मनी को अपना दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे लुकास कोसेल ने फिर से सफलतापूर्वक गोल में बदला। यह टीम का तीसरा, जबकि लुकास का दूसरा गोल रहा।

भारत की गोल करने की पहली अच्छी कोशिश 34वें मिनट में हुई, जब अजीत यादव ने अपनी स्किल से दो जर्मन डिफेंडर्स को छकाते हुए गोल की तरफ एक जोरदार शॉट मारा, लेकिन गोलकीपर जैस्पर डिट्जर ने मजबूत बचाव किया।

40वें मिनट में जैनिक इनॉक्स ने ड्रिबल किया और भारतीय डिफेंस के बीच से एलेक वॉन श्वेरिन को पास किया, जिन्होंने भारतीय गोलकीपर को छकाते हुए बॉल को गोल की तरफ बढ़ाया और जोनास वॉन गेर्सम ने इसे ओपन नेट में डालकर जर्मनी को 4-0 से आगे कर दिया।

चौथे क्वार्टर के चार मिनट बाद, जर्मनी ने इंडियन डिफेंस के ऊपर से बेन हैसबैक (49 मिनट) को एक लंबा एरियल पास दिया।

उन्होंने प्रिंसदीप सिंह के चारों ओर ड्रिबल करते हुए गोल कर दिया।

कुछ ही पल बाद, भारत को अपना पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसमें सफलता हासिल हुई। इंजेक्शन के बाद, कैप्टन रोहित ने अनमोल एक्का (51 मिनट) को एक स्मार्ट पास दिया, जिससे जर्मन खिलाड़ी हैरान रह गए और उन्होंने एक जोरदार शॉट मारा और गोल कर दिया। यहां से भारत ने एक और गोल करने कोशिश की, लेकिन

टी 20 में 500 से ज्यादा रन इकलौता बल्लेबाज

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें 9 से 19 दिसंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। अगर दोनों देशों के टी20 आंकड़ों की बात करें तो भारत और साउथ अफ्रीका की पुरुष क्रिकेट टीम के बीच साल 2006 से अब तक कुल 31 टी20 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 18 मैच अपने नाम किए, जबकि 12 मुकाबले साउथ अफ्रीका ने जीते। इनके अलावा, एक मुकाबला ड्रॉ रहा। क्या आप उस बल्लेबाज के बारे में जानते हैं, जिसने इस बीच 500 रन के आंकड़े को छुआ है? इस खिलाड़ी का नाम डेविड मिलर है, जिसने साल 2011 से 2024 तक भारत के विरुद्ध कुल 25 टी20 मुकाबले खेले।

इस दौरान मिलर ने 34.93 की औसत के साथ 524 रन जुटाए। दाएं हाथ का यह बल्लेबाज 7 पारियों में नाबाद रहा। उन्होंने भारत के विरुद्ध टेस्ट इतिहास में 1 शतक और 2 अर्धशतक लगाए। इस दौरान उनके बल्ले से 35 छक्के और 29 चौके निकले। डेविड मिलर ने भारत के विरुद्ध 2 अक्टूबर 2022 को गुवाहाटी में खेले गए टी20 मुकाबले में 106 रन की नाबाद पारी खेली थी। यह उनके टी20 करियर की सर्वोच्च पारी भी है। इसके पहले मिलर बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 101 रन की पारी भी खेल चुके थे।

आईपीएल मैच, बेंगलुरु और कर्नाटक की शान

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने स्पष्ट तौर पर कहा कि चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में भी आईपीएल के मैचों की मेजबानी करता रहेगा। शिवकुमार का ये बयान चिन्नास्वामी स्टेडियम को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच आया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिताबी जीत पर सेलिब्रेशन के दौरान हुई दुखद घटना के बाद बड़े मुकाबलों को शिफ्ट करने की चिंताओं पर जवाब देते हुए शिवकुमार ने बताया कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सुरक्षा से कोई समझौता किए बिना वहां मैच होते रहें। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "हम आईपीएल मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम से बाहर नहीं होने देंगे। यह बेंगलुरु और कर्नाटक की शान का सवाल है। हम सुनिश्चित करेंगे कि आईपीएल मैच यहीं पर हों। मैं क्रिकेट का फैन हूं। हम सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और स्टेडियम की साख बनी रहे। हम इसके बदले में एक नया क्रिकेट स्टेडियम भी बनाएंगे।"

इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने यह भी बताया है कि सरकार महिलाओं के मुकाबलों को लेकर भी पूरा सहयोग करेगी।

बता दें कि जून 2025 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने आईपीएल करियर का पहला खिताब जीता था, जिसके बाद फैंस एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर इस खुशी का जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए, लेकिन यह खुशी जल्द ही मातम में बदल गई।

इस समारोह के दौरान भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए।

इसके बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से महिला वनडे विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी भी छिन गई।

इन मुकाबलों की मेजबानी के लिए पुलिस की मंजूरी पाने को लेकर बीसीसीआई ने कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन को बार-बार दी गई डेडलाइन पूरी न कर पाने के कारण यहां होने वाले मुकाबलों को मुंबई में स्थानांतरित कर दिया था।

विवाद • हाईकमान नाराज़ न हो, संकेत साफ, बोलीं- शब्दों को तोड़ा-मरोड़ा गया

नवजोत कौर सिद्धू 500 करोड़ और सूटकेस वाली टिप्पणी से मुकर गई, गलत बयान के लिए मीडिया को जिम्मेदार ठहराया

गुरशरण सिंह | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब की सियासत में भूचाल लाने वाले अपने ही बयान पर अब नवजोत कौर सिद्धू ने सफाई दे दी है। मुख्यमंत्री बनने के लिए "सैकड़ों करोड़ और सूटकेस" वाली टिप्पणी पर उठे विवाद के बीच उन्होंने कहा है कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। नवजोत कौर का कहना है कि उन्होंने कांग्रेस पर कोई आरोप नहीं लगाया था, बल्कि सिर्फ यह कहा था कि उनके परिवार के पास किसी भी पार्टी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पैसे देने की क्षमता नहीं है। नवजोत कौर ने सोशल मीडिया अकाउंट पे लिखा मैं हैरान हूं कि मेरे सीधे बयान को किस तरह मोड़कर पेश किया गया। मैंने सिर्फ इतना कहा था कि हमारी कांग्रेस पार्टी ने हमसे कभी कुछ नहीं मांगा। जब मुझसे पूछा गया कि क्या नवजोत किसी दूसरी पार्टी से मुख्यमंत्री का चेहरा बन सकते हैं, तो मेरे जवाब का मतलब सिर्फ इतना था कि हमारे पास किसी भी पार्टी को मुख्यमंत्री पद के लिए पैसे देने की क्षमता नहीं है। कृपया इसे ध्यान से समझें।

इस सफाई के साथ यह सवाल और तेज हो गया है कि क्या नवजोत कौर सिद्धू ने विवाद बढ़ने के बाद अपने बयान से यू-टर्न लिया है? विपक्ष ने जिस बयान को कांग्रेस की "कथित पोल" बताया था, अब उसी टिप्पणी को नवजोत कौर ने मीडिया की गलत व्याख्या कहा है। सियासी गलियारों में इसे सिद्धू परिवार की रणनीतिक बैकफुट चाल माना जा रहा है। कांग्रेस में चल रही गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता के बीच नवजोत कौर की सफाई से यह भी संकेत मिलता है कि सिद्धू अभी भी पार्टी में बने रहने की इच्छा रखते हैं और हाईकमान को नाराज नहीं करना चाहते। अब देखना होगा कि सफाई से विवाद शांत होता है या यह बयानबाज़ी आगे और राजनीति को गर्माएगी।

कांग्रेस में 500 करोड़ का सौदा, सिद्धू परिवार पर आप का हमला

आप के महासचिव और मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने नवजोत कौर सिद्धू के हालिया खुलासों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सिद्धू परिवार के बयान ने कांग्रेस की "भद्दी सच्चाई" उजागर कर दी है कि पार्टी में नेतृत्व कैसा तय होता है और किस तरह निजी महत्वाकांक्षाओं व पैसों के सौदों में पंजाब के हितों को दरकिनार किया जाता है। पन्नू के अनुसार, नवजोत सिद्धू ने दो बड़े खुलासे किए हैं। पहला, नवजोत सिंह सिद्धू तभी राजनीति में लौटेंगे जब कांग्रेस पहले उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करेगी। दूसरा, उनके पास 500 करोड़ देने की क्षमता नहीं है, जिसका संकेत है कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि पैसा कौन देता है और किसके पास जाता है।

कांग्रेस का सिद्धू परिवार पर मिशन का आरोप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सिद्धू परिवार पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि सिद्धू परिवार किसी 'विशेष मिशन' के तहत कांग्रेस में शामिल हुआ था, और अब वह मिशन पूरा होने पर पार्टी को नुकसान पहुंचा रहा है। रंधावा ने यह तंज भी कसा कि जब नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे, तब उन्होंने किसे सूटकेस दिया था? रंधावा के अनुसार, सिद्धू अक्सर विपक्षी शैली में बयान देते हैं और इससे पार्टी को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि सिद्धू अगर कांग्रेस में रहना चाहते हैं, तो पार्टी लाइन के अंदर काम करें, न कि बाहरी आलोचक की तरह।

कांग्रेस में सीएम पद भी पैसों से बिकता है: सुनील जाखड़

भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को निशाने पर लिया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि नवजोत कौर की सफाई यह साबित करती है कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने के लिए करोड़ों का लेन-देन होता है। सिद्धू परिवार ने अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार कर लिया है कि पार्टी में बड़े पद पैसे के बिना हासिल नहीं हो सकते। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस की आंतरिक राजनीति "पैसों के खेल" में फंसी हुई है, जहां योग्यता से ज्यादा सौदेबाजी का दबदबा है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि सिद्धू परिवार का बयान कांग्रेस के नैतिक दिवालियापन का खुला प्रमाण है।

सिद्धू का भविष्य फिर सुर्खियों में

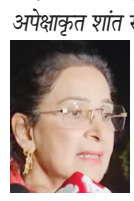

2022 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद नवजोत सिंह सिद्धू राजनीतिक रूप से अपेक्षाकृत शांत रहे हैं। ऐसे में उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू का हालिया बयान पंजाब की सियासत में नई हलचल पैदा कर रहा है। कांग्रेस जहां राज्य में पुनरुत्थान की रणनीति बना रही है, वहीं इस बयान को सिद्धू परिवार की ओर से हाईकमान पर दबाव बनाने की कोशिश माना जा रहा है, ताकि सिद्धू को संगठन में कोई अहम भूमिका मिल सके। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह बयान न केवल सिद्धू की सक्रियता का संकेत है, बल्कि पार्टी नेतृत्व के प्रति एक संदेश भी है कि सिद्धू अब भी कांग्रेस में प्रभावी स्थान पाने की इच्छा रखते हैं।

गुरुद्वारा सेखेवाल क्षेत्र की गलियों का होगा कायाकल्प

लवकी मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और पहल करते हुए विधायक मदन लाल बग्गा ने वार्ड नंबर 8 में स्थित गुरुद्वारा सेखेवाल के आसपास की गलियों के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। करीब 40 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र में कंक्रीट सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

विधायक बग्गा ने बताया कि स्थानीय निवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में नए ट्यूबवेल की स्थापना और सीवर लाइनों के बिछाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी पूरे किए गए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों से प्राप्त सुझावों व फीडबैक के आधार पर विकास गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान इलाके के लोग तथा गुरुद्वारा सेखेवाल प्रबंधन समिति के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे। मदन लाल बग्गा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में लुधियाना नॉर्थ में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर तेज़ी से काम चल रहा है। सभी चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो और परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सकें।

पंजाब सरकार व्यापारियों को जीएसटी और वैट रिफंड करे : अनिल सरीन

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब सरकार द्वारा लंबित पड़े जीएसटी और वैट रिफंड जारी न करने के विरोध में 12 दिसंबर पंजाब टैक्स बार एसोसिएशन (पीटीबीए) तथा इससे जुड़े व्यापार और उद्योग संगठनों ने राज्यव्यापी प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पंजाब टैक्स बार एसोसिएशन और जिला टैक्स बार एसोसिएशनों की एक अहम राज्यस्तरीय बैठक,जिसकी अध्यक्षता पीटीबीए अध्यक्ष अनिल सरिन ने की, में यह सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे, ताकि लंबे समय से अटके जीएसटी और वैट रिफंड की समस्या को उजागर किया जा सके। पीटीबीए,डीटीबीएऔर पंजाब भर के विभिन्न व्यापार एवं उद्योग संगठनों ने रिफंड में लगातार हो रही देरी पर चिंता व्यक्त करते कड़ा विरोध व्यक्त किया। मई से लंबित रिफंड ने करदाताओं, एमएसएमई, व्यापारियों और औद्योगिक इकाइयों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर प्रभाव डाला है, जो पहले ही आर्थिक मंदी से जूझ रहे हैं। अध्यक्ष अनिल सरिन ने कहा कि लगातार अनुरोधों के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने रिफंड प्रक्रिया को तेज करने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि जीएसटी और वैट रिफंड रुकने से व्यापारियों की जहाँ पूंजी बाधित होने के चलते उनका व्यापारप्रभावित हुए हैं वही हजारों करदाताओं पर अनावश्यक दबाव बढ़ा है।

अनिल सरीन ने आगे कहा कि सरकार की लगातार उदासीनता को देखते हुए पीटीबीए तथा प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने एसोसिएशन ने पंजाब सरकार से अपील की कि वह तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए, सभी लंबित रिफंड बिना देरी जारी करे साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने व्यापारियों के रिफंड के बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाया तोव्यापारी वर्ग सड़को पर उत्तर सरकार के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन करेंगे।

5 साल की बच्ची को उठाने की कोशिश

समर न्यूज़| लुधियाना

लुधियाना के रमेश नगर में सोमवार शाम 5 वर्षीय बच्ची के अपहरण की कोशिश का मामला सामने आया। एक अज्ञात व्यक्ति बच्ची को उठाकर ले जाने की कोशिश कर रहा था, तभी मोहल्ले के लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। परिवार के पड़ोसियों के अनुसार, बच्ची के पिता विदेश में रहते हैं और वह अपनी मां के साथ वहीं रहती है। घटना के समय बच्ची गली में खेल रही थी। मोहल्ले के लोगों ने आरोपी को पकड़कर तुरंत पीसीआर को सूचना दी। पीसीआर मुलाजिम ने बताया कि आरोपी को थाना टिब्बा ले जाया गया। थाना टिब्बा के एसएचओ अमरजीत सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी नेपाल का रहने वाला है। पुलिस परिवार के बयान दर्ज कर रही है और मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लुधियाना में वरना कार डिवाइडर से टकराई

2 नाबालिग लड़कियों समेत 5 युवाओं की मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना के लाडोवाल टोल प्लाजा से पहले पुल पर रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में वरना कार में सवार दो नाबालिग लड़कियों सहित पांच युवाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब कार तेज रफ्तार में बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराते हुए कई बार पलटी मारती हुई दूर तक घसीटती चली गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शव अलग-अलग दिशाओं में बिखर गए। पुलिस और एम्बुलेंस टीम ने रात करीब 1 बजे तक शवों को इकट्ठा कर बोरियों में डालकर सिविल अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। मृतकों की पहचान जगराओं के अजीत नगर निवासी सिमरनजीत सिंह उर्फ सिम्मू, कोठे खजूरा के सतपाल सिंह सूखा और वीरपाल सिंह वीरू और दो नाबालिग लड़कियों की पहचान मोगा के तलवंडी दोसांझ की अर्शप्रीत कौर और सिंघावली की जश्नप्रीत कौर के रूप में हुई है। दोनों लड़कियां लुधियाना में एक सैलून अकादमी से ट्रेनिंग ले रही थीं और युवकों के साथ इनकी पहले से जान पहचान थी।

तेज रफ्तार ने छीनी पांच जिंदगियां

पुलिस के अनुसार वरना कार नंबर PB10DH-4619 साउथ सिटी से लाडोवाल की ओर जा रही थी। ओवरस्पीड के कारण कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई। इसके बाद कार 30 से 40 मीटर तक घसीटते हुए गई। हादसे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी का सिर और किसी के अंग शरीर से अलग मिले।

शूज खरीदने के लिए पिता से लिए थे 3 हजार रुपये

मृतक सतपाल के पिता तरसेम सिंह ने बताया कि वह हलवाई का काम करता है, जबकि उनका बेटा सतपाल डीजे वाले के पास काम करता था। सतपाल रविवार की सुबह घर पर पिता से 3000 रुपये लेकर निकला था। उसने पिता को बताया था कि वह शाम को दोस्त के साथ जाकर अपने लिए नए शूज लेकर आयेगा। उन्हें नही पता था कि उनका बेटा घर वापिस नही लौटेगा।

परिवार का इकलौता बेटा था बीरू, पिता का रो रोकर हुआ बुरा हाल

वही घटनास्थल पर पुहंचे मृतक युवक बीरपाल सिंह उर्फ बीरू के पिता मुकंद सिंह ने रोते बिलखते हुए बताया कि वह ड्राइवर का काम करता है। उसका बेटा बीरू परिवार में इकलौता बेटा था। वह लेडीज कपड़े सिलाई करता था। वह घर पर बिना बताये दोस्तो के साथ घूमने निकला था। देर रात तक परिजन उसे फोन करते रहे,लेकिन उसने फोन नही उठाया।

इंग्लैंड में अपने बड़े भाई के पास जाने की तैयारी कर रहा था सिमरन

हादसे का शिकार हुए कार चालक सिमरनजीत सिंह उर्फ सिम्मू के पिता ने बताया कि उनके दो बेटे हैं जिसमें से बड़ा बेटा अपनी पत्नी के साथ यूके के इंग्लैंड में रहता है। उसका छोटा बेटा सिमरन 12वीं कक्षा पास कर चुका था। वह अपने बड़े भाई के पास जाने की तैयारी कर रहा था जिसके चलते वह रविवार को लुधियाना में कपड़ों की खरीदारी करने के लिए दोस्तों के साथ आया था।

मृतक सिमरनजीत सिंह सिम्मू, सतपाल सिंह सुख, बीरू, जशनप्रीत कौर, अर्शप्रीत कौर। - समर न्यूज़

परिजन बोले-सड़क हादसा नहीं, बच्चो की हत्या की गई

मृतकों के परिजनों ने घटना पर सवाल उठाते हुए इसे सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इंकार किया है। मृतक युवक सिमरन के पिता और बुआ ने बताया कि सूचना मिलने पर वह अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि हादसे में मारे बच्चों के शरीर के अंग अलग-अलग जगह पर गिरे पड़े थे। हादसा पुल के ऊपर हुआ जबकि बच्चों के शव पुल के नीचे से बरामद हुए हैं उन्हें शक है कि उनके बच्चो की मौत हादसे के दौरान नहीं बल्कि किसी के द्वारा की गई हत्या या हत्या की साजिश है।

मोगा के गांव में रहने वाली दोनों नाबालिग लड़किया, लुधियाना शहर मे सीख रही थी पार्लर का काम

हादसे का शिकार हुई दोनो युवतियां अर्शप्रीत कौर और जसप्रीत कौर मोगा के अलग अलग गांव की रहने वाली है। वह लुधियाना के एक ब्यूटी पार्लर में काम सीख रही थी। पुलिस को मृतका युवतियों के परिजनों ने बताया कि वह दोनो बीरू को बड़ा भाई मानती थी और घर पर बता कर गई थी कि वह दोनों बीरू के साथ जा रही है।

इस संबंध में थाना लाडोवाल के जांच अधिकारी एएसआई मनजीत सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पर अपनी टीम के साथ मौके पर पुहंचे थे। जहा एनएचआई की एम्बुलेंस टीम भी मौके पर पहुंची। उन्होंने देखा कि एक युवती का शव सड़क पर पड़ा मिला, जबकि चार शव नीचे खाई में गिरे थे। जिसमे से एक युवती का सिर धड़ से अलग था,वही दूसरी युवती के शरीर के दो टुकड़े हो चुके थे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के साथ शवों को एकत्रित कर सिविल अस्पताल की मोर्चरी में पुहंचाये। जहा मंगलवार को शवों का पोस्टमार्टम करवाकर अगली करवाई की जाएगी।

नेहरू रोज़ गार्डन का कायाकल्प, 8.46 करोड़ का टेंडर जारी

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

शहर के प्रमुख हरित क्षेत्रों में शामिल नेहरू रोज गार्डन अब बड़े बदलाव के लिए तैयार है। नगर निगम लुधियाना द्वारा गार्डन के संपूर्ण पुनर्विकास के लिए 8.46 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया गया है। रोज गार्डन में रोजाना बड़ी संख्या में सभी आयु वर्ग के लोग आते हैं। लोगों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गार्डन में व्यापक रूप से विकास कार्य किए जाएंगे। प्रोजेक्ट में सिविल वर्क (पाथवे आदि) पर लगभग 1.32 करोड़, लाइटिंग और इलेक्ट्रिकल कार्यों पर लगभग 2.15 करोड़, हॉर्टिकल्चर—जिसमें सजावटी पौधे, नए रोज बेड, घास शामिल हैं पर करीब 3.29 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, पानी की टंकी (21.40 लाख), सिंचाई प्रणाली—स्प्रिंकलर आदि (85.62 लाख), बच्चों के खेलने का क्षेत्र (19.82 लाख), ओपन जिम (5.67 लाख), टॉयलेट ब्लॉक (32.06 लाख) और टेस्टिंग चार्ज (4.21 लाख) ी प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। नगर निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल ने बताया कि नेहरू रोज गार्डन शहर के महत्वपूर्ण हरियाली वाली जगहों में से एक है। सुबह-शाम टहलने वालों के साथ ही बड़ी संख्या में परिवार भी यहां समय बिताने आते हैं। उन्होंने कहा कि नए सजावटी पौधे और रोज बेड तैयार किए जाएंगे, सिंचाई के लिए आधुनिक स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित होगा और पूरे गार्डन में फुटपाथ को फिर से विकसित किया जाएगा।

निगम अधिकारियों के अनुसार, प्रोजेक्ट के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है और ठेकेदारों को बोली लगाने के लिए आमंत्रित किया गया है। कमिश्नर डेचलवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि टेंडर प्रक्रिया समय पर पूर्ण की जाए और कार्यों की गुणवत्ता में किसी ी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे नगर निगम का सहयोग करते हुए लुधियाना को स्वच्छ और हरा भरा बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं।

संकीर्तन | **गृहस्थ हो या सन्यासी, गुरु की शरण लेना अत्यंत आवश्यक है**

उत्तरकांड कथा में गुरु-शरण और प्रभु विरह का महत्व बताया

समर न्यूज़ | लुधियाना

श्री दंडी स्वामी महाराज जी के शुभ आशीर्वाद से सिद्धपीठ श्री दंडी स्वामी ट्रस्ट, सेवा परिकर और श्री राधा गोविंद संकीर्तन मंडल (सेवक सिद्धपीठ) द्वारा आयोजित 75वां श्री हरिनाम संकीर्तन एवं गौलोकवासी पंडित जगदीश चंद्र कोमल महाराज के 25वें वरदान दिवस के पावन उपलक्ष्य में चल रहे 38 दिवसीय महासंकीर्तन का आयोजन राज कुमार शर्मा जी की अध्यक्षता में 30वें दिन में प्रवेश कर गया। इस अवसर पर श्री धाम वृंदावन से पधारे श्री गौर दास जी महाराज ने श्री राम कथा (उत्तरकांड) संकीर्तनमय कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि प्रभु से मिलने का आनंद उसी को अधिक प्राप्त होता है, जिसका विरह सबसे अधिक होता है। भरत जी को भगवान राम के आगमन का समाचार हनुमान जी ने ठीक उस समय दिया जब वे विरह के सागर में डूबने को थे।उन्होंने बताया कि हनुमान जी ने ब्राह्मण रूप इसलिए धारण किया क्योंकि भरत जी का ब्राह्मणों पर पूर्ण विश्वास था और गुरु-रूप से प्रभु के संदेश का आगमन होना दिव्यता का प्रतीक है। गुरु के माध्यम से प्राप्त भगवत्प्राप्ति कभी नहीं छूटती—जैसे सुग्रीव, विभीषण और शबरी को गुरु-कृपा से राम मिले और उन्हें प्रभु की प्राप्ति हुई।महाराज जी ने कहा कि चाहे गृहस्थ हो या सन्यासी, गुरु की शरण लेना अत्यंत आवश्यक है। जब व्यक्ति संसार में नहीं, बल्कि प्रभु के विरह और भक्ति में डूबता है तभी उसे इसी जन्म में प्रभु की प्राप्ति संभव होती है।भरत जी भी समाचार मिलने के बाद सर्वप्रथम अपने गुरु के पास गए और कहा—"गुरुजी, आपकी कृपा से प्रभु के दर्शन होंगे।" फिर नाचते-गाते अयोध्या आते हुए उनकी प्रसन्नता देखकर सभी अयोध्यावासी समझ गए कि कोई शुभ समाचार है।उन्होंने आगे बताया कि प्रभु राम और भरत के मिलन के पश्चात प्रभु ने दोनों की जटा खोलकर यह संदेश दिया कि यदि हम भगवत्-प्रेम में दृढ़ रहें तो भगवान स्वयं हमारी समस्याओं का निवारण करते हैं।महाराज जी ने कहा कि आज जो लोग महिला आरक्षण की बात करते हैं वे राम राज्य से सीखें—केवट की नाव में भगवान राम ने पहले सीता जी को चढ़ाया, स्वयं बाद में गए, और राजतिलक के समय भी उन्हें स्वयं के साथ सिंहासन पर विराजमान किया। हमारे शास्त्रों में सदा से नारी को समान अधिकार दिए गए हैं।पं. राज कुमार शर्मा जी ने बताया कि रविवारिक हरिनाम संकीर्तन का भी आयोजन किया गया जिसमें श्री सिद्धपीठ परिकर द्वारा हरिनाम संकीर्तन का गायन किया गया। प्रार्थना एवं आरती के उपरांत कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।बता दें कि श्री राम कथा 13 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी।

संकीर्तन करते हुए श्रद्धालु। फोटो लक्की भट्टी- समर न्यूज़

क्लॉक टावर के पास सड़क की हालत खस्ता

फोटो लक्की भट्टी- समर न्यूज़

समर न्यूज़ | लुधियाना

लुधियाना के एलिवेटेड रोड क्लॉक टावर के पास सड़क की टूट-फूट के बीच रोड किनारों और चलती लेन में बजरी/रोड़ी का फैलाव दिखाई दे रहा है, जिस पर वाहन चढ़ते ही टायर की पकड़ घट जाती है और ब्रेकिंग दूरी बढ़ जाती है। ढलान, मोड़ और भीड़भाड़ वाले हिस्सों में यह ढीली बजरी दो-पहिया और हल्के वाहनों के फिसलने का प्रमुख कारण बन सकती है सड़क सुरक्षा दिशानिर्देश बताते हैं कि ढीली कंकरी/ग्रैवल का सड़कों पर फैलना वाहनों को लाइन से बाहर धकेलता है और मोड़ों पर क्रैश रिस्क बढ़ाता है, इसलिए समयबद्ध सफाई, किनारों की सीलिंग और उचित ड्रेनेज जरूरी है।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 94